कोटद्वार, शनिवार
25 अक्टूबर 2025
वर्षः 47
अंकः 164 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बाड़ेछीना–शेराघाट मार्ग पर कार खाई में गिरी, एक की मौत, एक घायल

अल्मोड़ा। बाड़ेछीना–शेराघाट मोटर मार्ग पर शुक्रवार दोपहर एक ऑल्टो कार गहरी खाई में गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना पर धौलछीना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से राहत–बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर लगभग तीन बजे कनारीछीना से सवारी छोड़कर जमराड़ी लौट रही ऑल्टो कार (संख्या यूके 01 1564) पावर हाउस के पास अनियंत्रित होकर लगभग 30 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में जमराड़ी निवासी 34 वर्षीय महिपाल नेगी, पुत्र चंदन सिंह नेगी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं वाहन चालक नीरज सिंह गैड़ा, पुत्र राम सिंह निवासी बेदीबगड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को ग्रामीणों और पुलिस की मदद से 108 एंबुलेंस के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धौलछीना पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक का पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक महिपाल नेगी अविवाहित था। दुर्घटना की खबर मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

राज्य कर कर्मचारियों को मांगों के निस्तारण पर मिला सकारात्मक आश्वासन

देहरादून। पिछले 15 दिन से आंदोलनरत राज्य कर विभाग के मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों की राज्य कर आयुक्त सोनिका सकारात्मक वार्ता हुई है। राज्य कर मिनिस्ट्रियल स्टॉफ एसोसिएशन ने शुक्रवार को भी अपना सांकेतिक धरना जारी रखा। दोपहर में एसोसिएशन को कर आयुक्त सोनिका की ओर से वार्ता का निमंत्रण मिला। एसोसिएशन की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी, संरक्षक भारत सिंह राणा, सलाहकार मनमोहन नेगी, संगठन मंत्री सुरेश शर्मा, प्रांतीय प्रवक्ता सुनील निरंजन, कर मुख्यालय के शाखा अध्यक्ष जसवंत खोलिया, महामंत्री पिंकेश रावत वार्ता में शामिल हुए। जबकि कर विभाग की ओर से एडिशनल कमिश्नर ईश्वर सिंह बृजवाल, अनिल सिंह, डिप्टी कमिश्नर यशपाल सिंह, संजीत त्रिपाठी, असिस्टेंट कमिश्नर जयदीप सिंह वार्ता में मौजूद रहे। वार्ता के बाद एसोसिएशन ने कहा कि राज्य कर आयुक्त ने सभी मांगों को लेकर गंभीर रुख दिखाया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जो मांगों उनके स्तर पर हल होंगी, उनका वह जल्द से जल्द निस्तारण करवा देंगी, साथ ही शासन स्तर पर लंबित मामलों को भी निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की ओर से उठाई जा रही मांगों को डेढ़ माह में पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों से आंदोलन खत्म करने की अपील भी की। साथ ही कहा कि वित्त सचिव से भी 28 अक्तूबर को एसोसिएशन की वार्ता करवाई जाएगी। एसोसिएशन की ओर से आज काशीपुर में होने जा रही प्रांतीय बैठक का हवाला देते हुए कहा कि वह आंदोलन को लेकर बैठक में निर्णय लेंगे। मालूम हो कि राज्य कर कर्मचारी विभागीय ढांचे के पुनर्गठन के साथ ही पदोन्नति, नई भर्तियों और आवासीय सुविधा की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं।

कपड़ों की दुकान में लगी भीषण आग, सारा माल जलकर हुआ खाक

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ नगर के बीचों बीच कपड़ों की एक दुकान में आग लग गई। घटना में दुकान में रखे कपड़े और अन्य सामान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड की टीम ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। संयोग से आसपास की दुकानों में आग नहीं फैली इससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। नगर के चिमस्यानौला निवासी कमला वर्मा के भवन के निचले तल में धारचूला, गर्गुवा हाल निवासी जीआईसी रोड हेमा धामी गारमेंट की दुकान का संचालन कर रही थी। बीते बृहस्पतिवार वह रात आठ बजे दुकान बंद कर घर गई। देर रात 11 बजे के करीब नगर के कारोबारी राजेंद्र पांडे अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे तो उन्होंने हेमा धामी की दुकान से आग की पलटें बाहर निकलतीं देखीं। उन्होंने घटना की सूचना हेमा और फायर सर्विस को दी।

शारदा कॉरिडोर–आस्था, धरोहर और विकास का संगम : धामी

मुख्यमंत्री ने किया 185.20 करोड़ से बनने वाले शारदा कॉरिडोर परियोजना के प्रथम चरण का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को शारदा घाट, टनकपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 185.20 करोड़ से बनने वाले शारदा कॉरिडोर परियोजना के प्रथम चरण का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने कहा शारदा कॉरिडोर परियोजना हमारी आस्था, सांस्कृतिक, धरोहर और सतत विकास का केंद्र है।

मुख्यमंत्री ने कहा शारदा कॉरिडोर का उद्देश्य बनबसा से माता रंकोची तक की घाटी को धर्म, प्रकृति और रोजगार के सुंदर संगम के रूप में विकसित करना है। यह भूमि अब केवल आस्था का केंद्र नहीं रहेगी, बल्कि यहां के लोगों के जीवन में आर्थिक समृद्धि और अवसरों की नई धारा भी प्रवाहित होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि शारदा नदी के तट को पर्यावरण-संवेदनशील, स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक स्वरूप देने के लिए शारदा घाट पुनर्विकास परियोजना के कार्य को प्रथम चरण के रूप (अनुमानित लागत 185.20 करोड़) में प्रारंभ किया जा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत सुरक्षित स्नान घाट, आरती स्थल, स्वच्छता एवं विश्राम की सुविधाएं, सुंदर घाट, सुगम पहुंच मार्ग, पैदल पथ, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि आरती स्थल अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीक से निर्मित होगा, जिसमें रेनवाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था और फ्लोर कूलिंग सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। बाढ़ प्रतिरोधी संरचनाओं से नदी के प्रवाह को नियंत्रित कर आसपास के क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना धार्मिक पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में नई गति लाएगी। उन्होंने इसे सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से एक अद्वितीय मॉडल बताया, जो पूरे क्षेत्र के लिए विकास का प्रतीक बनेगा।

शारदा कॉरिडोर के प्रथम चरण होगें यह कार्य

गौरतलब है कि शारदा कॉरिडोर के 185.20 करोड़ से बनने वाले शारदा कॉरिडोर परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत किरोड़ा नाला पारिस्थितिक कॉरिडोर (109.57 करोड़) क्षेत्र की जैव विविधता संरक्षण और आपदा प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने हेतु पारिस्थितिक कॉरिडोर को विकसित किया जाएगा। सिटी ड्रेनेज योजना चरण 1 (62.11 करोड़) शहरी जल निकासी प्रणाली को सुदृढ़ कर बाढ़ की घटनाओं में कमी और वर्षा जल प्रबंधन को व्यवस्थित किया जाएगा।

युवाओं का सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता

पीएम मोदी ने रोजगार मेले में सौंपे 51 हजार नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 17वें रोजगार मेले में नवनियुक्त युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि युवाओं का सशक्तिकरण भाजपा और एनडीए सरकार की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्सवों के बीच पक्की नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र मिलना यानी उत्सवों का उल्लास और सफलता की डबल खुशी। ये खुशी आज देश के 51 हजार से अधिक युवाओं को मिली है। मैं महसूस कर सकता हूं कि सभी के परिवार में कितना आनंद होगा। मैं सभी को और उनके परिवारजनों को बहुत–बहुत बधाई देता हूं। नवनियुक्त युवाओं से प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आपको सिर्फ सरकारी नियुक्ति नहीं मिली है, आपको राष्ट्र सेवा में सक्रिय योगदान देने का अवसर मिला है। मुझे विश्वास है कि आप इसी भावना से काम करेंगे। ईमानदारी और सुचिता के साथ आप भविष्य के भारत के लिए बेहतर व्यवस्थाएं बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के लिए 'नागरिक देवो भवःझ् ये मंत्र है। पीएम मोदी ने कहा, सेवाभाव और समर्पण भाव से हर नागरिक के जीवन में हम उपयोगी कैसे हों, ये कभी भूलना नहीं है। पिछले 11 सालों से देश विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है और इसमें सबसे बड़ी भूमिका हमारे युवाओं की है। उन्होंने यह भी कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र है। हम अपने युवाओं की शक्ति को देश की सबसे बड़ी संपत्ति मानते हैं। इसी विश्वास और आत्मविश्वास के साथ हम हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। यहां तक कि हमारी विदेश नीति भी भारत के युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। हमारे राजनयिक संबंध और वैश्विक समझौते युवाओं के प्रशिक्षण और रोजगार सृजन पर अधिकाधिक केंद्रित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अकेले रोजगार मेले के जरिए बीते कुछ समय में ही 11 लाख से ज्यादा नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं और ये प्रयास सिर्फ सरकारी नौकरियों तक ही सीमित नहीं है।

पाकिस्तान की घेराबंदी! भारत के बाद अब ये देश रोकेगा पानी

काबुल/इस्लामाबाद ,पाकिस्तान के साथ हालिया खूनी संघर्ष के बाद तालिबान शासित अफगानिस्तान ने एक बड़ा कदम उठाते हुए पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति सीमित करने की तैयारी कर ली है। अफगान सूचना मंत्रालय के अनुसार, तालिबान के सवोच्च नेता मौलवी हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने कुनार नदी पर जल्द से जल्द बांध बनाने का आदेश दिया है।

यह कदम भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने के ठीक बाद उठाया गया है, जिसने पाकिस्तान की मुश्किलें पहले ही बढ़ा दी हैं। अफगान जल और ऊर्जा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि सवोच्च नेता अखुंदजादा ने मंत्रालय को कुनार नदी पर बांध निर्माण जल्द शुरू करने का निर्देश दिया है।

खास बात यह है कि उन्होंने विदेशी कंपनियों का इंतजार करने के बजाय घरेलू अफगान कंपनियों के साथ ही करार करने का आदेश दिया है। उप सूचना मंत्री मुहाजेर फराही ने गुरुवार को 'एक्सझ् (पूर्व में ट्विटर) पर यह जानकारी साझा की।

रक्षा मंत्रालय ने 79 हजार करोड़ के सौदे को दी मंजूरी

नई दिल्ली , केंद्र सरकार ने देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में करीब 79,000 करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी दी गई। यह फैसला भारतीय थलसेना, नौसेना और वायुसेना – तीनों सेनाओं की युद्धक क्षमता में बड़ा इजाफा करेगा और 'आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को नई गति देगा।

थलसेना को मिलेगी नई मिसाइल और निगरानी शक्ति

थलसेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम एमके– ग्राउंड बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम और हाई मोबिलिटी व्हीकल्स की खरीद को मंजूरी दी गई है। नाग मिसाइल सिस्टम एमके– दुश्मन के टैंकों और किलेबंद ठिकानों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम है। ग्राउंड बेस्ड इंटेलिजेंस सिस्टम से सेना दुश्मन की रेडियो तरंगों और इलेक्ट्रॉनिक गतिविधियों की 24 घंटे निगरानी कर सकेगी।वहीं, हाई मोबिलिटी व्हीकल्स कठिन इलाकों में रसद और भारी उपकरण पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे।

नौसेना की समुद्री शक्ति होगी और मजबूत

भारतीय नौसेना के लिए लैंडिंग प्लेट-फॉर्म डॉक्स, 30 मिमी नेवल सरफेस गन, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो, इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल इंफ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और स्मार्ट गोला–बारूद की खरीद को स्वीकृति मिली है। इन प्रणालियों से नौसेना की उभयचर युद्धक और समुद्री निगरानी क्षमता में भारी सुधार होगा। लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स से थलसेना और वायुसेना के साथ संयुक्त ऑपरेशन संभव होंगे।एडवांस्ड टॉरपीडो को छ्रक्रह्र ने विकसित किया है, जो दुश्मन की पनडुब्बियों को सटीकता से निशाना बना सकता है।

वायुसेना को मिलेगा अत्याधुनिक हमला सिस्टम

वायुसेना के लिए कॉलैबोरेटिव लॉन्ग रेंज टारगेट सैचुरेशन/डिस्ट्रक्शन सिस्टम और कई अन्य अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों की खरीद को मंजूरी दी गई है।

यह सिस्टम स्वचालित टेकऑफ, लैंडिंग और लक्ष्य पर सटीक हमला करने में सक्षम है। इससे वायुसेना की रणनीतिक मारक क्षमता और सटीकता में बड़ा सुधार होगा।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में निर्णायक कदम

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं से देश की सैन्य ताकत आधुनिक होगी और साथ ही स्वदेशी रक्षा उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। ज्यादातर प्रणालियाँ भारत में निर्मित की जाएंगी, जिससे 'मेक इन इंडिया और 'आत्मनिर्भर भारतझ् मिशन को बल मिलेगा। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस मंजूरी से तीनों सेनाओं की क्षमता में बड़ा विस्तार होगा और भारत किसी भी परिस्थिति में पूर्ण सैन्य तैयारी के साथ जवाब देने में सक्षम होगा।

उत्तराखंड में भी छठ महापर्व का उल्लास, श्रद्धालुओं ने की खरीदारी

विकासनगर । शनिवार को नहाय खाय की परंपरा के साथ सूर्यदेव की पूजा का छठ महापर्व शुरू हो जाएगा। शुक्रवार को पछवादून में श्रद्धालुओं ने घर की सफाई करने के अलावा बाजार में पूजा सामग्री की खरीदारी की। इसके चलते सेलाकुई व विकासनगर बाजारों में फल और पूजा सामग्री की दुकानों पर रौनक रही। श्रद्धालुओं ने प्रसाद बनाने के लिए मिट्टी का चूल्हा भी तैयार किया। शनिवार को नहाय खाय के मौके पर श्रद्धालु व्रत की शुरुआत करेंगे। व्रत रखने से पूर्व भोजन के रूप में कद्दू–दाल, चावल, चने की दाल व लौकी बनाई जाएगी। भगवान सूर्य की उपासना के साथ शुरू होने वाले छठ पर्व को लेकर सभी श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। पछवादून के विकासनगर, डाकपत्थर, सेलाकुई में छठ पर्व की विशेष धूम रहती है। श्रद्धालु सुबह गौतम ऋषि की तपस्थली गंगभेवा बावड़ी में स्नान करेंगे। मान्यता है कि बावड़ी में गंगा का स्रोत है। हालांकि पूरे पछवादून क्षेत्र में यमुना मुख्य नदी है। अशोक कुमार सिंह, केके गौतम, अभिषेक कुमार, संतोष कुमार आदि का मानना है कि छठ पर्व शुद्धता का प्रतीक है और हर काम गंगा के शुद्ध पानी से शुरू करना शुभ होता है। व्रतियों द्वारा गणेश जी और सूर्यदेव को भोग लगाकर प्रसाद का सेवन किया जाएगा। छठ पर्व साफ सफाई का पर्व है। चार दिन तक घरों में लहसुन व प्याज का सेवन भी नहीं किया जाता।

व्रत रखने वाला श्रद्धालु शांत स्थान पर प्रभु का ध्यान लगाता है। छठ पूजा व्रत मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा किया जाता है।

हल्द्वानी में 15 साल की बच्ची के साथ दरिंदगी

हल्द्वानी। हल्द्वानी शहर के टीपीनगर चौकी क्षेत्र के एक मोहल्ला में बटाईदार का कार्य करने वाले व्यक्ति की 15 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बरेली के रहने वाले युवक के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने पॉक्सो के तहत दुष्कर्म का मुकदमा भी दर्ज किया है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। टीपीनगर क्षेत्र निवासी व्यक्ति जमीन बटाई पर लेकर खेती करता है।

उसने बताया कि उसकी 15 साल की बेटी को बहलाकर बरेली निवासी राजीव ने उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। किशोरी के बताने पर पिता उसे लेकर कोतवाली लाए। कोतवाल अमर चंद शर्मा ने बताया कि मामले में आरोपी के खिलाफ पॉक्सो के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

यूपी पुलिस का बड़ा एक्शन : 1 लाख का इनामी फैसल ढेर

शामली , उत्तर प्रदेश के शामली में झिंझाना क्षेत्र के भोगीमजरा के जंगल में देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच भीषण मुठभेड़ हो गई। झिंझाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम की इस कार्रवाई में एक लाख रुपये का इनामी बदमाश मारा गया, जबकि एसओजी का एक सिपाही गोली लगने से घायल हो गया। मारे गए बदमाश की पहचान कुख्यात संजीव जीवा गैंग के सक्रिय शूटर फैसल के रूप में हुई है, जो लंबे समय से पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात करीब आठ बजे वेदखेड़ी मार्ग पर कुछ बदमाश लूटपाट की वारदात को अंजाम दे रहे थे। इसी दौरान उन्होंने वेदखेड़ी निवासी जीतराम पुत्र रामचन्द्र से नकदी, मोबाइल व बाइक लूट ली। लूट की सूचना मिलते ही झिंझाना थाना पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर बदमाशों की घेराबंदी की।

खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

फेक आईडी विवाद सुलझाने पहुंचे ससुर की हत्या

लाठी–डंडों से पीटकर मारा, जानें मामला

काशीपुर। नानकमत्ता में पुत्रवधू की फेक आईडी बनाकर पुरानी फोटो एडिट कर वायरल करने का विवाद सुलझाने अपने मित्र व परिवार के साथ आरोपी के घर गए ससुर पर आरोपियों ने लाठी डंडों से हमला कर हत्या कर दी। जबकि सास व ससुर के मित्र घायल हो गए। पुलिस ने आरोपी पति–पत्नी व उनके तीन पुत्रों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। हरी नगर कॉलोनी सिद्धा नानकमत्ता निवासी सोनी पत्नी शंकर विश्वास ने शुक्रवार को पुलिस को बताया कि पड़ोस के रहने वाले विशाल विश्वास, आशीष विश्वास व विकास विश्वास पुत्रगण विदुयत विश्वास ने फेक आईडी पर उनकी पुरानी फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायलर की। बृहस्पतिवार की रात नौ बजे इसकी जानकारी उन्होंने अपने ससुर नितिन अरोड़ा उर्फ निक्कू पुत्र महेंद्र सिंह (46) व देवर दलजीत सिंह को दी। ससुर अपने मित्र मनजीत सिंह निवासी इटौआ ,सास अनीता विश्वास, देवर दलजीत सिंह व उसे साथ लेकर आरोपियों के घर पूछने गए। जहां आरोपियों ने एक राय होकर उन पर लाठी डंडों से हमला बोल दिया। उन्होंने लाठियों के साथ ही ससुर के सिर पर वसूली (ईट तोड़ने वाला औजार) से हमला कर दिया। जिससे ससुर गंभीर रूप से घायल हो कर बेहोश होकर वहीं गिर गए। सास अनीता विश्वास व मनजीत सिंह भी चोटिल हो गए। बेहोश ससुर को परिजनों ने सीएचसी नानकमत्ता भर्ती कराया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें सितारगंज ले गए, जहां से रुद्रपुर निजी चिकित्सालय ले गए। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। इस दुखद घटना से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल हो गया।

यूपी धर्मांतरण कानून पर सुप्रीम कोर्ट के कड़े सवाल

सरकारी दखल और 'निजता के उल्लंघन पर जताई चिंता

नई दिल्ली ,उत्तर प्रदेश में लागू धर्मांतरण विरोधी कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की है कि यह कानून अपना धर्म बदलने के इच्छुक लोगों की राह को कठिन बनाता है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता और बढ़ते हस्तक्षेप पर भी गहरी चिंता व्यक्त की।बेंच ने कहा, ऐसा लगता है कि यह कानून इसलिए बनाया गया है ताकि किसी के धर्म परिवर्तन करने की प्रक्रिया में सरकारी मशीनरी के दखल को बढ़ाया जा सके। अदालत ने विशेष रूप से धर्मांतरण के बाद घोषणा करने की अनिवार्यता पर सवाल उठाया। बेंच ने कहा कि कौन किस धर्म को स्वीकार कर रहा है, यह उसका निजी मामला है और इस संबंध में घोषणा करने की बाध्यता को निजता के खिलाफ माना जा सकता है। बेंच ने कहा, यह सोचने की बात है कि आखिर क्या जरूरत है कि कोई बताए कि उसने अपना धर्म परिवर्तन कर लिया है और अब वह किस मजहब को मानता है। इस पर विचार करने की जरूरत है कि क्या यह नियम निजता के प्रावधान का उल्लंघन नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण से पहले और बाद में घोषणा से जुड़े नियमों को 'कठिनझ् करार दिया। बेंच ने कहा, यह स्पष्ट है कि इन नियमों के माध्यम से धर्मांतरण की प्रक्रिया में अधिकारियों का दखल बढ़ा दिया गया है। यहां तक कि जिला मजिस्ट्रेट को कानूनी रूप से धर्मांतरण के प्रत्येक मामले में पुलिस जांच का निर्देश देने के लिए बाध्य किया गया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत एक सेकुलर देश है और कोई भी अपनी इच्छा के अनुसार धर्मांतरण कर सकता है। राज्य में धर्मांतरण की कठोर प्रक्रिया पर टिप्पणी करते हुए बेंच ने संविधान की प्रस्तावना और धर्मनिरपेक्ष प्रकृति का भी जिक्र किया। अदालत ने रेखांकित किया कि यद्यपि 'धर्मनिरपेक्ष शब्द 1976 में संविधान में जोड़ा गया था, फिर भी 1973 के केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के ऐतिहासिक फैसले के अनुसार, धर्मनिरपेक्षता संविधान के मूल ढांचे का एक अभिन्न अंग है।

उत्तराखंड में नवंबर पहले हफ्ते में शुरू होगा गन्ना पेराई सत्र

देहरादून। उत्तराखंड में गन्ना का पेराई सत्र नवंबर पहले हफ्ते से शुरू हो जाएगा। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री सौरभ बहुगुणा ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित एफआरडीसी सभागार में चीनी मिलों के पेराई सत्र की तैयारियों को लेकर बैठक की। मंत्री ने पेराई सत्र के दौरान तकनीकी वजहों से या केन बंदी का सामना किसानों को न करना पड़े, इसके इंतजाम पहले से कर लेने के निर्देश दिए। मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि पेराई सत्र 2025–26 के शुभारंभ से पहले 31 अक्तूबर तक मिलों में मरम्मत, रख–रखाव का काम पूरा कर लें। नवंबर पहले हफ्ते में नादेही और बाजपुर चीनी मिल का पेराई सत्र शुरू कर दिया जाए। किच्छा और डोईवाला मिलों में पेराई सत्र हर हाल में नवंबर तीसरे हफ्ते शुरू हो जाए। चीनी मिलों को नए पेराई सत्र के लक्ष्यों को लेकर कार्य योजना बनाने के साथ ही मिलों की क्षमता के अनुसार गन्ने की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। चीनी मिलों को गन्ना मूल्य भुगतान की निर्भरता राज्य सरकार पर कम करने का भी लक्ष्य दिया गया। तय किया गया कि पिछले सत्र के मुकाबले में इस बार कम से कम 65 प्रतिशत गन्ना मूल्य का भुगतान संबंधित चीनी मिलें अपने संसाधनों से करेंगी। राज्य में संचालित किए जा रहे कोल्हू को लेकर भी एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी गई है।

पुलिस बन घर में घुसे दरिंदे, ब्यूटीशियन से गैंगरेप, 3 गिरफ्तार

बेंगलुरु , बेंगलुरु के नेलमंगला के पास रात एक 27 वर्षीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म के जघन्य मामले ने पूरे इलाके को दहला दिया है। बेंगलुरु ग्रामीण पुलिस ने 48 घंटे के भीतर कार्रवाई करते हुए इस घटना में शामिल तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी मिथुन सहित अन्य की सरगर्मी से तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, पश्चिम बंगाल की रहने वाली पीड़िता पिछले छह महीनों से बेंगलुरु में अपने पति और दो बेटों के साथ किराए के मकान में रह रही थी और शादी–समारोहों में ब्यूटीशियन का काम करती थी। घटना के वक्त उसका पति काम पर गया हुआ था। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि 21 अक्टूबर की रात करीब 9:30 बजे पांच लोग खुद को स्थानीय पुलिस बताकर जबरन उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने उस पर और उसके परिचितों पर गांजा रखने और देह व्यापार में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया और मामले को रफा–दफा करने के लिए 1 लाख रुपये की मांग की। पीड़िता के मुताबिक, जब उसने और उसकी सहेली ने विरोध किया, तो आरोपियों ने क्रिकेट बैट और मछेटी (चाकू जैसा हथियार) से उन पर हमला कर दिया, जिससे उसकी सहेली बेहोश हो गई। दरिंदों ने उसके छोटे बेटे और पति के एक दोस्त को बांधकर बाथरूम में बंद कर दिया। इसके बाद तीन आरोपी उसे खींचकर पास के एक मकान में ले गए और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपी घर से 25,000 रुपये नकद और दो मोबाइल फोन भी लूटकर फरार हो गए। इसी बीच, पीड़िता का बड़ा बेटा, जो बाहर था, उसने फौरन पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर दिया। होयसला पेट्रोलिंग वैन मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे।

सीएम योगी का बड़ा फैसला, 30 वर्ष बाद बढ़ेंगे पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के वित्तीय अधिकार

लखनऊ , उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग के विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पांच गुना तक की वृद्धि किए जाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि बदलावों से विभागीय अधिकारियों को निर्णय लेने में अधिक स्वायत्तता प्राप्त होगी। उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटने से निविदा, अनुबंध गठन एवं कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने में सहायक होगा। शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की बैठक में यह तथ्य सामने आया कि विभाग के अधिकारियों के वित्तीय अधिकार वर्ष 1995 में निर्धारित किए गए थे। इस बीच निर्माण कार्यों की लागत में पांच गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स के अनुसार वर्ष 1995 की तुलना में वर्ष 2025 तक लगभग 5.52 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है, जिससे निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए और परियोजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से किया जा सके।

अपर मुख्य सचिव, लोक निर्माण विभाग ने मुख्यमंत्री को सिविल, विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी दी। विमर्श के उपरांत निर्णय लिया गया कि सिविल कार्यों के लिए अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों की सीमा अधिकतम पांच गुना तक तथा विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए कम से कम दो गुना तक बढ़ाई जाएगी।

सम्पादकीय

भिक्षावृत्ति छोड़ अब शिक्षा अर्जन

सड़क पर भीख मांगते बच्चे किसी भी एक सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हैं। जिस उम्र में बच्चों को किताबों से संपर्क करना चाहिए उसे उम्र में यदि वह चौराहों और गली मोहल्ले में भीख मांग रहे हो तो कल्पना की जा सकती है कि ऐसे समाज का भविष्य क्या होगा? रहम पर आखिर कितने दिन पैसा मिलेगा और जब जरूरत पूरी नहीं होगी तो फिर यही बच्चे किशोरावस्था तक पहुंचने से पहले ही अपराध के मार्ग पर चल चुके होंगे। ऐसी परिस्थितियों से भारत के नौनीहालों को बचाने के लिए जरूरी है कि उन्हें समग्र शिक्षा की ओर प्रेरित किया जाए और यह तभी संभव है जब प्रशासनिक स्तर पर कोई ऐसा अधिकारी यह सब कर गुजरने का बीड़ा उठाए। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में जिला प्रशासन की ओर से एक बड़ी पहल पिछले कुछ वर्षों में शुरू की गई है जिसके तहत भिक्षा मांगने वाले बच्चों को शिक्षा की और प्रेरित करने के लिए उनका पुनर्वास किया जा रहा है और आज इनमें से कई बच्चे सरकारी शिक्षा प्राप्त कर अपने उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। इसी दिशा में "भिक्षा से शिक्षा की ओर'' जिला प्रशासन की स्वर्णिम पहल आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर का शुरू होना एक सराहनीय कदम है जहां बच्चों को संगीत, योग, खेल; शिक्षा की ओर ले जाकर उनके बिखरे हुए बचपन को पटरी पर लाने की महिम शुरू की गई है। केवल कागजों और सोशल मीडिया पर चंद बच्चों को खाने के पैकेट और खिलौने बांटने से उनका भविष्य सुधरने वाला नहीं है, बल्कि जब तक उन्हें शिक्षा की ओर नियमित तौर पर प्रेरित नहीं किया जाएगा तब तक कुछ सुधरने वाला भी नहीं है। देहरादून जिला प्रशासन का आधुनिक इंटेसिंव केयर सेन्टर एक स्वर्णिम पहल है जिसमें भिक्षावृत्ति से रेस्क्यू किए गए बच्चों को संगीत, योग, खेल से जोड़कर उनका ध्यान एक्टिविटि के माध्यम से शिक्षा की ओर मोड़ा जा रहा है। जिला प्रशासन की टीम द्वारा अब तक दो चरणों में कुल 82 बच्चों को रेस्क्यू कर स्कूलों में दाखिला दिलाया जा चुका है। पहले चरण में 51 बच्चों को विभिन्न स्कूलों तथा दूसरे चरण में 31 बच्चों को दाखिला दिलाया गया। इन बच्चों के लिए डेढ़ करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर का निर्माण भी कराया जा रहा है। सड़क पर भीख मांगते बच्चों को एक अच्छे भविष्य की ओर ले जाते हुए विगत 3 माह में माह जुलाई से सितम्बर 2025 से देखभाल एवं सरंक्षण हेतु 136 बला संरक्षण समिति के सम्मुख प्रस्तुत किए गए तथा 138 बच्चे मुक्त किए गए है। भिक्षावृत्ति में संलिप्त 70 तथा बालश्रम में संलिप्त 14 बच्चों को बाल कल्याण समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया। अन्य राज्यों के 6 बच्चों को उनके परिजनों के पास भेजा गया। बच्चे इस देश का भविष्य है फिर वह चाहे संपन्न परिवारों में पैदा हुए हों या फिर गरीब घरों से आते हो। शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और यह शासन की जिम्मेदारी है कि बच्चे किसी भी दशा में शिक्षा से वंचित न रहने पाएं। देशभर के लिए देहरादून जिला प्रशासन एक मिसाल है जिसने इस कार्य को सिर्फ औपचारिकताएं निभाने के लिए नहीं बल्कि इस धरातल पर उतरने के लिए भविष्य की योजना बनाकर रोड मैप तैयार किया है जिस पर अमल भी किया जा रहा है। निश्चित तौर पर समाज को ऐसे ही योग्य अधिकारियों की जरूरत है जो जरूरतमंद बच्चों की आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हुए शिक्षा की ओर ले जाए।

भारत में गरीबों का गुस्सा

हरिशंकर व्यास

हिंदू धर्म में लक्ष्मीपुत्रों के खिलाफ क्रांति संभव ही नहीं! भारत असमानता का अब वैश्विक उपमहाद्वीप है। 140 करोड़ लोगों की आबादी है। पर इनकी कुल संपत्ति का 60 प्रतिशत सिर्फ़ एक प्रतिशत परिवारों के पास है! हुरुन इंडिया की ताज़ा रिपोर्ट मानें तो भारत में 1,687 व्यक्तियों की संपत्ति हज़ार–हज़ार करोड़ रुपए से अधिक है, और 358 अरबपतियों की औसत संपत्ति 8,500 करोड़ रू से ऊपर। भारत जैसी गरीब–अमीर की असमानता दुनिया में और कहीं नहीं है। ये आंकड़े किसी भी देश को बेचैन कर देंगे मगर भारत में लोग ऐसी असमानता का अनुभव करते हुए भी नहीं सोचते। हिंदू ले दे कर भाग्य का हवाला देंगे। तभी भारत के खरबपति–अरबपति हमेशा निश्चिंत रहे हैं! उन्हें कभी डर नहीं लगता, चिंता नहीं होती क्योंकि असमानता हिंदू समाज का नैतिक संकट नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वभाव और धर्म की व्यवस्था है।

इसलिए मनु जोसेफ़ की किताब "क्यों गरीब हमें नहीं मारते" (ड्ढद्ब4 ह्लद्धद्ग क्कशशह्म् ष्ठशठ्ठ'ह्ल ऋद्बद्यद्य ह्य) का विषय अच्छा और विचारणीय है। इस पर कल लंदन की पत्रिका 'द इकोनॉमिस्टइ में समीक्षा पढ़ने को मिली। और अपने को फिर जाहिर हुआ कि दुनिया भारत के डीएनए, सामाजिक–सांस्कृतिक–धार्मिक मनोभावों का लेकर कितनी बेखबर व अनजान है।

पर पहले "क्यों गरीब हमें नहीं मारते" की थीसिस पर गौर करें। पुस्तक में अमीरों की इस सोच का हवाला है कि भारत में नौकर, ड्राइवर, और कामगार पहले जैसे आज्ञाकारी नहीं रहे। मगर यह डर, चिंता नहीं, बल्कि महज एक शिकायत है। और मेरा मानना है यह वह शिकायत है जो अमीर में ही नहीं, बल्कि भारत के मध्य वर्ग में भी है। आखिर भारत में अब संजीदगी, ईमानदारी से काम कितने लोग करना चाहते हैं? जो सबसे गरीब हैं, कामगार, सेवा प्रदाता है उनकी उम्मीदें आसमान छूती हैं पर वे मेहनत से तौबा करते हैं। उनकी सोच, मकसद और जुगाड श्रम, मेहनतकश ईमानदारी से नहीं, बल्कि माईबाप सरकार से नौकरी, राशन और पैसा लेने का होता है। लोग बेगारी और बेरोज़गारी या छोटी–छोटी नौकरियों में भले घिसते रहें लेकिन जो काम मिलता है उसे कामचोरी से जैसे–तैसे निपटाया जाता है। यह स्वतंत्र भारत की माईबाप सरकार के मंत्रों का कुल लब्बोलुआब है।

'द इकोनॉमिस्टइ की दृष्टि में पुस्तक अमीरों की उस मानसिकता का खुलासा करती है जो यह मानती है कि समाज में शांति इसलिए है क्योंकि गरीबों ने अपनी हैसियत स्वीकार कर ली है। यानी असमानता अब नैतिक नहीं, स्वाभाविक लगने लगी है। अमीरों को सिर्फ़ इतना भय है कि जिन लोगों ने अब तक उन पर भरोसा किया, वे अब भरोसा खो रहे हैं।

मनु जोसेफ़ का तर्क है कि भारत में गरीबों का गुस्सा कभी सामाजिक हिंसा में नहीं बदलता क्योंकि समाज ने उन्हें नियंत्रण में रखने के कई "सुरक्षित वाल्व" बना दिए हैं। जैसे पुलिस की सख्ती, धार्मिक सहिष्णुता, शिक्षित होने की आकांक्षा, और यह भ्रम कि अंग्रेज़ी या डिग्री से एक दिन सभी अमीर बन जाएंगें। मतलब साहेब बन जाएंगे। मेरी राय में यह तर्क यथार्थ के करीब है, पर अधूरा। इसलिए क्योंकि 'द इकोनॉमिस्टइ की दलील अनुसार यह स्थायित्व स्थायी नहीं है। इतिहास बताता है कि जब उम्मीद और वास्तविकता के बीच की खाई बहुत चौड़ी हो जाती है, तो समाज की नींव हिल जाती है।

सो, भारत का असली खतरा (याकि क्रांति) अब गरीबों से नहीं, बल्कि निराश मध्य वर्ग से है। उस मध्यम वर्ग से जो शिक्षित है, सपने रखता है, पर अवसर खलास है। यह वर्ग नक्सल भले नहीं बने लेकिन लोकतंत्र पर से भरोसा खो देगा और जब भरोसा टूटता है, तो समाज की नैतिक एकता बिखर जाती है। मतलब यह कि मनु जोसेफ़ ने बीमारी को पहचाना। पर उन्होंने असमानता और अमीरों की आत्मसंतुष्टि पर भविष्य का खतरा गलत जगह देखा। अगली बेचैनी नीचे (निर्धन) से नहीं, बीच (मध्य वर्ग) से उठेगी।

तो सवाल है क्या मध्य वर्ग का नौजवान विद्रोह करेगा? क्या भारत में आर्थिक असमानता पर कोई सामाजिक क्रांति संभव है? मेरा जवाब है, कतई नहीं। भारत क्रांतिप्रूफ देश है।

वजह सांस्कृतिक और धर्म है। भारत में धन मतलब लक्ष्मी है। वह पूजनीय है। और जो लक्ष्मी पाता है वह लक्ष्मीपुत्र, पूर्वजन्म की पुण्यताओं, कर्मों से धनपति बना होता है। इसलिए वह भी पूजनीय है। अडानी, अंबानी या 1,687 लोग भले क्रोनी पूंजीवाद, सरकार की मेहरबानियों याकि सरकारी उल्लुओं की सवारी, मनमानी मुनाफे–लूट से अरबपति बने हों मगर यह सब होना लक्ष्मीजी की कृपा से है तो उनका भाग्य है। जो गरीब है वह गरीबी–संघर्ष–फाकापरस्ती का भाग्य लिए हुए है और जो सेठ है वे सेठ होने की किस्मत पाए हुए है।

यह बात घर–घर की मनोदशा है। डीएनए में पैठी हुई है!

कैसे पैठी? ब्राह्मण शिरोमणि मनु महाराज की कृपा से। कोई न माने मेरी इस थीसिस को मगर पूरे इतिहास का यह स्थायी सत्य है कि 'मनुस्मृतिइ ने वैश्य जाति का खूंटा कुबेर का खजाना बनाया। उस नाते मनु को सर्वाधिक वैश्यों को ही पूजना चाहिए। और ईसा पूर्व काल से ले कर इक्कीसवीं सदी के ढाई हजार वर्षों का सत्य है जो हर काल में बनिए, वैश्य ही हिंदुओं के अमीर हुए। हर दरबार के असल दरबारी सर्वाधिक सुरक्षित, सर्वाधिक मनपसंद खजांची रहे।

'मनुस्मृतिइ के रचियता ब्राह्मण ने अपने हाथ में कलम, पोथी, दीक्षा–भिक्षा रखी। वही ठाकुर (क्षत्रिय) को तलवार भांजने का राजधर्म दिया। और ये दोनों वर्ण जैन, बौद्ध, इस्लाम की हवा में भोथरा गए। ब्राह्मण कर्मकांडी हो गया। चिंतन–मनन–सवाल करना–सत्य साधना तथा शास्त्रार्थ छोड़ पुजारी–यजमान, कृपाओं से जीने लगा। वही उसके भटकने और नए धर्मों की सुनामियों के आगे क्षत्रिय भी वर्ण निर्धारित राजधर्म को छोड़ बादशाह अकबर का मान सिंह बन बैठा। इस्लाम से रोटी–बेटी का संबंध बनाए। तो इन दो वर्णों के बाद वैश्य जाति थी। और इनको क्या जिम्मा था? जवाब है मनुस्मृति, हिंदू धर्मशास्त्रों (ईसा पूर्व 200झईसा 200) ने जो बनियों, अंबानी–अडानियों की जाति का जो कर्तव्य बनाया था उसे निभाते रहे। व्यापार और कर–संग्रह, खजाने सहित धन के पीछे भागते रहे। उसे व्यापार करना था, सौदा पटाना ऋण देना, ब्याज खाना था! कहने को धर्म, ब्राह्मण और क्षत्रिय की आज्ञा माननी थी। इसलिए वह ब्राह्मण की यजमानी, दान–दक्षिणा देने, धर्मादे–गौसेवा का छोटा सा हिस्सा रखता था। वही राजाओं, राजे–रजवाड़े के कर संग्रह, खजाना संभालने, व्यवस्थाएं करने में लगड़ी मारते हुए कमाई। मुनाफे और स्वार्थ में किसी किसी चूक के। क्योंकि व्यापार, धंधा और पैसा बनाना तो जाति धर्म है।

स्वतंत्र भारत का लिखा व फैलाया भ्रष्ट इतिहास चाहे जो कहे लेकिन झमनुस्मृतिइ का सत्य वचन, इस्लाम के आने से पहले तक का तथ्य है कि नस्ल, धर्म के लिए 'मनुस्मृतिइ ने सर्वाधिक महत्व, उपयोगी काम, शुद्र याकि शिल्प–सेवा–कारीगरी की जाति को दिया। बनिया व्यापार का कर्ताधर्ता, पैसे–लक्ष्मी–कुबेर का पालक था मगर उद्यमशीलता, कारीगरी, नवाचार, हस्तशिल्प, जीवनोपयोगी सेवाओं का कर्तव्य वहन चौथे वर्ग (सर्वाधिक अहम, जिसके बिना चलना संभव नहीं। न तो ब्राह्मण को कलम–स्याही–पोथी मिलना संभव न ही क्षत्रिय को तलवार, रथ, हथियार, महल, निर्माण का काम हो सकना संभव और न वैश्य के लिए व्यापार संभव) के हिस्से में था। यही समाज का उत्पादक वर्ग था।

अनाज पैदा करने वाले, नवाचार, कौशल, कारीगरी, जोखिम, उद्यमशीलता से अनाज पैदा करने वाले खेतिहर, तीर–भाले बनाने वाले लोहार, कपड़ा बनाने वाले जुलाहे, बढ़ई, सुनार, तेली, धोबी, चमार आदि तमाम तरह के श्रमजीवि कारीगर, सृजक विश्वकर्मा पर्यायी जाति और उपजातिया। का वह वर्ग था जो (1931 की अंग्रेज जनगणना से पहले तक) अपने को पिछड़ा, अतिपिछड़ा, दलित नहीं कहता था, बल्कि अपने को शैव, वैष्णव, वाल्मिकी या अपने काम के लेबल अनुसार (मल्लाह, चारण, पुजारी या शैव–वैष्णव, नाई, नट आदि) अपनी पहचान बताता था।

यह पाखंड आजाद भारत का है जो समाज के विश्वकर्मी वर्ण (कथित पिछड़े, अति पिछड़े, दलित, महादलित आदि) को भेदभाव के आधार पर अपने परंपरागत कामों से विमुख किया। इनके आगे आरक्षण का झुनझुना लटका कर सरकारी नौकरियों की ओर आबादी को दौड़ाया। और भारत में उद्यमशीलता, जोखिम, नवाचार, शिल्प, कारीगरी की सामाजिक व्यवस्था का भा बैठा दिया। जो वैश्य हिंदू समाज के चौथे वर्ण के खेती उत्पादन, मसलन मशालों से ले कर ढाका की मलमल आदि का पूरी दुनिया में व्यापार करता था, दुनिया में भारत की धाक थे वही बनिए यदि अब चाइनीज उत्पादन भारत में बेचकर खरबपति बन रहे हैं तो यह इस बात का भी प्रमाण है कि स्वतंत्र भारत ने अपने उद्यम, हुनर, उद्यमशीलता को आरक्षण तथा जात राजनीति से सुगला कर खत्म किया है।

बहरहाल, विषयांतर हो रहा है। पते की बात है जो वैश्य–बनिया पर धंधे और खजाने का आज भी दायित्व है मगर नवाचार, उद्योग–निर्माण–खेती व जोखिम उसके लिए अनैतिक! इस प्रकार आरंभ से ही संपत्ति, व्यापार, धंधा वैश्यों का अधिकार क्षेत्र। उसका धर्म था व्यवस्था को टिकाए रखना, बदलना नहीं। इसलिए बनिए सदा–सर्वदा दिल्ली के सत्ता तंत्र, राजे–रजवाड़ों–बादशाहों के सिंहासनों के राजदार, खजानेदार, लेखाकार रहे। वह सत्ता को चुनौती देने वाला कभी नहीं बना। वह हमेशा सत्ता का सहयोगी केंद्र रहा। सत्ता की मेहरबानियों से वह क्रोनी जगत सेठ बनता आया है। और यह दो हजार वर्षों का रिकार्ड है।

यह स्थिति सनातनी हिंदू राजाओं के समय थी तो जैन और बौद्ध धर्म, परंपरा–व्यवस्था में भी वैश्य ही तब मालिक था। तब अनाथपिण्डिक, सेठी सुदत्त और गहपति जैसे जगत सेठ याकि व्यापारी का पुण्य धन अर्जन, मुनाफा था, उद्यम नहीं। इतिहाल में वैश्य ने कभी हाथ काले नहीं किए। केवल धंधा, व्यापार, वाणिज्य किया। जैन और बौद्ध व्यापारी संघों ने तब स्तूपों के निर्माण में पैसा उड़ेल बौद्धों को खुश किया। आर्थिक नैतिकता का वह कोई नया ढांचा नहीं बना, जिससे सृजन या उद्योग नई हवा से धर्मसंगत बने। बौद्ध काल में धंधा–वाणिज्य एक आध्यात्मिक चोगा लिए हुए था पर उससे कोई रूपांतर नही। सो, धन ने भक्ति खरीद धंधा बनाए रखा प्रगति नहीं की। धन को नवाचार से नहीं, बल्कि दान से तब पवित्र किया जाता था। कॉमर्स–धंधे को आध्यात्मिक–लौकिक मान्यता मिली रही। जैन–बौद्ध शासकों से मौर्य, गुप्त काल के सभी समयों में कई धनपति, जगत सेठ के रूप में कीर्ति पाए हुए थे। पैसे से धर्म–भक्ति खरीदी और धंधा अनवरत बनाए रखा। तुर्क, अफ़ग़ान और मुगल काल में भी वैश्य वर्ग वैसे ही साम्राज्य की राजस्व मशीन थे जैसे हिंदू–बौद्ध शासकों के समय थे। मतलब लड़ाई को फाइनेंस देने वाले, सिक्के ढालने वाले, और सोना जमा करने वाले। 1739 में जब नादिरशाह ने दिल्ली लूटी, तो बनियों ने उसी सहजता से अपने खज़ाने उसके लिए खोले जैसे पहले मुगलों के लिए खोले हुए थे। वह क्रोनी वाणिज्यिक–कैपिटलिज़्म था। मतलब लाभ उत्पादकता से नहीं, सत्ता को पटा कर, अपना बना कर जगत सेठ बनना।ब्रिटिश शासन में अंग्रेज–बनिया गठजोड़ में ईस्ट इंडिया कंपनी के कई कमाल हुए। इतिहास में मीर जाफर की गद्दारी और जगत सेठ की राजनीति का लंबा चौड़ा इतिहास है। बनिया अंग्रेजों के औपनिवेशिक ठेकेदार बन गया। अफ़ीम व्यापार, अनाज सट्टेबाज़ी और साहूकारी के ज़रिए साम्राज्य की लूट में यह वर्ग भागीदार था। अंग्रेज़ लूटते थे और बनिया हिसाब रखता था। कर्ज–ब्याज का परस्पर गहरा लेन–देन था।

1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। और नेहरू के समाजवाद के बावजूद बिड़ला की तूती थी। लाइसेंसशुदा सेठों का नया दरबार सजा। लाइसेंसधारी उद्योगपति पैदा होने लगे। राजा की जगह राष्ट्र तंत्र था पर सूत्र पुराना। राजा और कारिंदों (नौकरशाही) के घने संबंधों और भारत को समाजवाद के जरिए भी लूटो। नेहरू की बड़े उद्योगपतियों से दूरी थी तो निर्भरता भी थी। इंदिरा गांधी ने क्रोनी पूंजीवाद के नए आयाम बनाए। इंदिरा गांधी–प्रणब मुखर्जी ने धीरूभाई अंबानी पर हाथ रखा।

तमसो मा ज्योतिर्गमय से ज्यादा 'धर्मो रक्षति रक्षितः

अजीत द्विवेदी

इस साल भी और पिछले कई सालों से दिवाली के मौके पर 'तमसो मा ज्योतिर्गमयइ से ज्यादा 'धर्मो रक्षति रक्षितःइ के संदेश देखने को मिले। अंधकार से प्रकाश की ओर चलने या असत्य से सत्य की ओर बढ़ने से ज्यादा हर व्यक्ति धर्म की रक्षा को आतुर दिखा और धर्म की रक्षा कैसे होगी? पटाखे चला कर! पिछले साल और उससे पहले कई साल दिवाली के अवसर पर पटाखे इसलिए चलाए गए क्योंकि सर्वोच्च अदालत को दिखाना था कि हिंदू अदालत के आदेश को नहीं मानता है, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए उसकी अवहेलना करने में भी नहीं हिचकता है। खूब पटाखे चलाने के बाद सोशल मीडिया में लिखा गया कि अदालत को समझ में आ गया होगा कि अब हिंदू जाग गया है और उसको पटाखे चलाने से नहीं रोका जा सकता है! इस साल सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की अपील पर 'ग्रीन पटाखेइ चलाने की मंजूरी दे दी तो अदालत से कोई शिकायत नहीं रही लेकिन इस बार खूब जम कर पटाखे इसलिए चलाए गए क्योंकि दूसरे समुदाय के लोगों को चिढ़ाना और जलाना था।दिवाली पर खूब पटाखे चला कर (राजधानी दिल्ली में तो लगभग पूरी रात पटाखे चले) धर्म की रक्षा पता नहीं कितनी हुई लेकिन प्रदूषण कई गुना जरूर बढ़ गया। भारत में तो अभी सिर्फ हवा की गुणवत्ता मापी जाती है इसलिए दिवाली के अगले दो दिन में वायु गुणवत्ता सूचकांक के आंकड़े सामने आए। अगर ध्वनि प्रदूषण को मापा जाता और उसके आंकड़े सामने आते तो कुछ और खतरे के बारे में भी पता चलता। लेकिन वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई की ही बात करें तो राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शहरों के अलावा बिहार और उत्तर प्रदेश या महाराष्ट्र के राजधानी से दूर दराज के शहरों में भी प्रदूषण का स्तर कई गुना बढ़ गया। दिवाली के अगले दिन तो सबसे प्रदूषित 10 शहरों में से आठ हरियाणा के थे। राजस्थान का एक शहर भिवाड़ी सातवें स्थान पर था और राजधानी दिल्ली 10वें स्थान पर थी। 'धर्म रक्षा के इस 'पुनीत कार्य में लाखों, करोड़ों लोगों ने अपना अपना योगदान दिया।पटाखे चलाने की तरह होली पर खूब पानी बहा कर रंग खेलना भी धर्म रक्षा का कार्य है। हिप्पोक्रेसी देखिए कि सावन में कांवड़ के समय या नवरात्रों में दुर्गापूजा के समय मांसाहार के खिलाफ आंदोलन चलाना भी धर्म का काम है और बलि प्रथा का बचाव करना भी धर्म का काम है। सरकार के हर काम का बिना सोचे समझे समर्थन करना भी धर्म काम है और सत्तारूढ़ दल को वोट देना तो धर्म का काम है ही। सोचें, धर्म के काम को कितना आसान बना दिया गया है! आज आप पटाखे चला कर, रंगों वाली होली खेल कर, जोर जोर से बजते डीजे के साथ चल रहे कांवड़ के प्रति श्रद्धा दिखा कर, सरकार के हर काम का समर्थन करके और सत्तारूढ़ दल को वोट देकर धर्म की रक्षा करने का दावा कर सकते हैं। अगर कोई पटाखे चलाने, पानी बहाने या कांवड़ में होने वाले उत्पात पर सवाल उठाए या सरकार के किसी नीतिगत फैसले की आलोचना करे तो सोशल मीडिया में आप उसे और उसके खानदान को भद्दी से भद्दी गाली देकर भी धर्म का काम कर सकते हैं। आप जितनी अश्लील गाली दे सकते हैं उतने बड़े धर्म रक्षक माने जाएंगे। सोशल मीडिया में ऐसे अनगिनत लोग हैं। बहरहाल, यह तर्क सही है कि एक दिन पटाखे फोड़ने से ही पूरे देश की हवा प्रदूषित नहीं हो रही है या एक दिन पानी के साथ रंगों वाली होली खेलने से देश में जल संकट नहीं खड़ा हो रहा है। लेकिन यह एक दिन का तर्क सिर्फ एक दिन तक सीमित नहीं होता है। धर्म और परंपरा के नाम पर जोर जबरदस्ती, जिन चीजों को अपनाने की बात कही जाती है या अपनाने प्रदर्शन किया जाता है उसका दायरा बहुत बड़ा है। इसी तरह जब आपका त्योहार और आपका उत्सव आपकी खुशियों, आपके उल्लास और संस्कृति से जुड़ा न रह कर किसी को किसी को दिखा देने की प्रवृत्ति से निर्देशित होने लगे तब समस्या है। जब आपका त्योहार और उसके साथ चली आ रही परंपराएं शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाएं तब समस्या है। जब आप त्योहार धर्म की रक्षा के लिए मनाने लगें तब समस्या है। इसको अगर नहीं समझा गया तो त्योहारों के मौकों पर चलने वाला 'धर्म रक्षा का अभियान समाज के हर ताने बाने को कमजोर करेगा और सामाजिक विभाजन बढ़ाएगा। अगर लोग यह समझने लगें कि पटाखे चलाना भारत की या हिंदू की प्राचीन संस्कृति का हिस्सा नहीं था और इसका धर्म की रक्षा से कोई लेना देना नहीं है तो वह बदला लेने या किसी को चिढ़ाने की भावना के साथ पटाखे नहीं चलाएगा। ऐसा ही पहले होता था।

कॉमेडी का डबल डोज ,किस किस को प्यार करूं–2 अब इस दिन होगी रिलीज

अभिनेता कपिल शर्मा एक बार फिर फिल्म कॉमेडी 'किस किस को करूं' के सीक्वल के साथ हंसी का डबल डोज लेकर आ रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए दी। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की रिलीज डेट के साथ मोशन पोस्टर जारी किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "तैयार हो जाइए दोगुनी मस्ती और चार गुनी हंसी के लिए। फिल्म 'किस किस को प्यार करूं–2' हंसी का डबल डोज लेकर 12 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।" रिलीज डेट की जानकारी सुन फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वह मोशन पोस्टर देख ये अंदाजा लगा रहे हैं कि कपिल शर्मा फिर से नई अभिनेत्रियों के साथ उलझन भरी जिंदगी और साथ ही कॉमेडी का तड़का लेकर आएंगे। फैंस अब फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हंसी से भरपूर कॉमेडी फिल्म का निर्देशन और लेखन अनुकल्प गोस्वामी ने किया है। फिल्म में कपिल शर्मा के साथ हीरा वारिना, पारुल गुलाटी, आयशा खान और त्रिशा चौधरी नजर आएंगी। साथ ही, कॉमेडी का तड़का लगाने के लिए मनजोत सिद्दू भी अहम किरदार में दिखेंगे।

फिल्म का निर्माण रतन जैन, गणेश जैन, अब्बास–मस्तान और वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट मिलकर कर रहे हैं। कॉमेडी फिल्म 'किस किस को प्यार करूं' साल 2015 में रिलीज हुई थी।

अच्छे पार्टनर की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड पहुंचीं शहनाज गिल

अपने चुलबुले अंदाज से सबका दिल जीतने वाली अदाकारा शहनाज गिल अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म एक कुड़ी लेकर आ गई हैं। एक्ट्रेस की नई फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है और रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर ट्रेलर छा गया है। इतना ही नहीं, हिना खान ने खुद फिल्म के ट्रेलर की भर–भरकर तारीफ की है। शहनाज गिल की पंजाबी फिल्म एक कुड़ी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक्ट्रेस एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड में पहुंच जाती हैं और पता लगाती हैं कि जिससे उनकी शादी होने वाली है, असल में वो लड़का कैसा है। ट्रेलर में शहनाज को एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश है और वे उसके लिए अपने पूरे परिवार का साथ पाती हैं, जो लड़के को उसके गांव जाकर परखता है। फिल्म में फैमिली कॉमेडी से लेकर एक लड़की की शादी से पहले महसूस किए जाने वाले अनुभव और डर को दिखाया गया है। फैंस भी ट्रेलर को देखकर अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "वाह, सचमुच बहुत बढ़िया ट्रेलर, शहनाज़ कमाल की और बहुत खूबसूरत लग रही हैं, फिल्म का इंतज़ार रहेगा।" एक अन्य यूजर ने लिखा, "गजब, क्या ट्रेलर हैज् सब कुछ एकदम सही, कहानी और गाने बहुत पसंद आ रहे हैं।"

भारत से सीरीज के बीच ऑस्ट्रेलिया का बड़ा फेरबदल: मैक्सवेल की वापसी, लाबुशेन बाहर, 9 खिलाड़ियों पर पड़ा असर

नई दिल्ली , भारत के खिलाफ चल रही सीरीज के बीच में ही ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टीम में कई बड़े बदलावों की घोषणा की है। ये बदलाव आखिरी वनडे मैच के साथ–साथ 29 अक्टूबर से शुरू हो रही झ20 सीरीज के लिए भी किए गए हैं। इस फेरबदल की जद में कुल 9 खिलाड़ी आए हैं।

सबसे बड़ी खबर विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को लेकर है, जो अपनी चोट से उबरकर टीम में वापसी कर रहे हैं। मैक्सवेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले नेट्स पर प्रैक्टिस के दौरान कलाई में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके चलते उन्हें क्रिकेट से दूर होना पड़ा था।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 5 झ20 मैचों की सीरीज खेली जानी है। ग्लेन मैक्सवेल शुरुआत में टीम का हिस्सा नहीं होंगे, उन्हें पहले दो मैचों के लिए आराम दिया गया है। लेकिन, मैक्सवेल को तीसरे, चौथे और 5वें झ20 के लिए टीम में शामिल किया गया है। मैक्सवेल के अलावा, 20 साल के तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन को सरप्राइज पैकेज के तौर पर तीसरे, चौथे और 5वें झ20 के लिए चुना गया है। बेन ड्वारशुइस को चौथे और 5वें झ20 के लिए टीम में शामिल किया गया है, जबकि जोश फिलिप पांचों झ20 मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा बने रहेंगे।

झ20 टीम से दो बड़े खिलाड़ी सीरीज के बीच से ही बाहर हो जाएंगे। दिग्गज तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड पहले दो झ20 मैच खेलने के बाद टीम से बाहर हो जाएंगे। वहीं, ऑलराउंडर शॉन एबट पहले 3 ,20 खेलने के बाद टीम का साथ छोड़ देंगे। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ 25 अक्टूबर को होने वाले आखिरी वनडे के लिए भी टीम में बदलाव किया है। स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन तीसरे वनडे की टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह जैक एडवर्ड्स और मैट कुन्हेमन की टीम में वापसी हुई है।

प्रभास - वो शर्मीला लड़का, जिसने 'बाहुबली' बनने के लिए करोड़ों रुपए ठुकराए

भारतीय सिनेमा के लिए वह एक युग–निर्माता हैं। 'बाहुबली' के रूप में एक ऐसा चेहरा, जिसने दक्षिण के सिनेमा को विश्व पटल पर स्थापित कर दिया। लेकिन पर्दे पर अपने विशालकाय और निर्भीक किरदारों के विपरीत, अभिनेता प्रभास निजी जीवन में बेहद शर्मीले और शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं। 23 अक्टूबर 1979 को जन्मे प्रभास भारतीय सिनेमा के उन चंद सितारों में से एक हैं, जिन्होंने पर्दे पर शाही गरिमा और सहज विनम्रता दोनों को एक साथ जीवंत किया है। तेलुगु सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाले प्रभास ने 'वरशमइ, 'छत्रपतिइ, और 'मिर्चीइ् जैसी फिल्मों से लोकप्रियता हासिल की, लेकिन एस.एस. राजामौली की 'बाहुबलीइ् सीरीज ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। उनकी शांत स्वभाव, मेहनत और भूमिकाओं में पूर्ण समर्पण ने उन्हें साउथ से लेकर बॉलीवुड तक का प्रिय स्टार बना दिया है। प्रभास न केवल एक अभिनेता हैं, बल्कि अपनी सादगी भरे व्यक्तित्व और अनुशासित जीवनशैली से लाखों लोगों के प्रेरणास्त्रोत भी हैं।वह भारतीय सिनेमा के सबसे अधिक कमाई करने वाले अभिनेताओं में से एक हैं।

एशिया कप 2025 के हीरो तिलक वर्मा का सनसनीखेज खुलासा

नई दिल्ली , हाल ही में संपन्न हुए एशिया कप 2025 में भारत को चैंपियन बनाने वाले तिलक वर्मा ने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। फाइनल में पाकिस्तान के जबड़े से जीत छीनने वाले इस स्टार बल्लेबाज ने बताया कि अगर तीन साल पहले आकाश अंबानी और जय शाह ने तत्परता नहीं दिखाई होती, तो शायद आज वह यह कारनामा करने के लिए जीवित नहीं होते। भारत के इस बाएं हाथ के मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज ने यह खुलासा गौरव कपूर के लोकप्रिय शो 'ब्रेकफास्ट विद चैंपियंसइ् में किया।

तिलक वर्मा ने साल 2022 के एक वाकये को याद करते हुए बताया कि वह इंडिया ए टीम के साथ बांग्लादेश में एक सीरीज खेल रहे थे। बल्लेबाजी के दौरान वह 'रबडोमायोलिसिसइ् नाम की एक जानलेवा बीमारी का शिकार हो गए। यह एक ऐसी गंभीर स्थिति है जिसमें शरीर की मांसपेशियां टूटने लगती हैं और खून में 'मायोग्लोबिनइ् नाम का रसायन मिल जाता है, जो सीधे किडनी को फेल कर सकता है। उस घातक पल को याद करते हुए तिलक ने कहा, मैं अपने शतक की तरफ बढ़ रहा था, तभी अचानक मेरी आंखों में खिंचाव होने लगा। मेरी उंगलियों ने काम करना बंद कर दिया था। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा शरीर पत्थर का बन गया है, क्योंकि सबकुछ अकड़ गया था।

तिलक ने बताया कि उनकी हालत इतनी बिगड़ गई थी कि उन्हें रिटायर हर्ट होकर मैदान छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि मेरे हाथों से ग्लव्स को काटकर निकालना पड़ा था, क्योंकि हाथ की उंगलियां मुड़ ही नहीं रही थीं। तिलक वर्मा ने इस जानलेवा बीमारी से बचने का श्रेय आकाश अंबानी और जय शाह के प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा, जैसे ही मेरी बिगड़ी सेहत का पता चला, आकाश अंबानी ने तुरंत बीसीसीआई के तत्कालीन सचिव जय शाह से संपर्क किया और मेरा हाल जाना। इसके बाद दोनों के प्रयासों से मुझे जल्द से जल्द इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

छात्रवृत्ति नहीं मिलने से विद्यार्थी हो रहे परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जेआरएफ छात्रवृत्ति नहीं मिलने पर गोपेश्वर महाविद्यालय से पीएचडी कर रहे विद्यार्थियों ने रोष व्यक्त किया है। उन्होंने पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी को अपनी समस्याओं से अवगत करवाया।

पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अंकुश घिल्डियाल के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी से मुलाकात की। छात्रों का कहना था कि वर्तमान में वह गोपेश्वर महाविद्यालय से पीएचडी कर रहे हैं। पूर्व में उन्होंने नेट, जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की थी। लेकिन, परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद भी उन्हें जेआरएफ छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे में शोधार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि उन्होंने समस्या से महाविद्यालय को भी अवगत करवाया। लेकिन, महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को यूजीसी जाने को कहा। बताया कि यूजीसी से मालूम करने पर पता चला कि गोपेश्वर महाविद्यालय की संबद्धता स्पष्ट नहीं है। जबकि, वर्ष 2016 में गोपेश्वर महाविद्यालय को श्री देवसुमन विवि का कैंपस आधिकारिक रूप से घोषित किया गया था। बताया कि परिसर घोषित होने के बाद भी महाविद्यालय का अस्तित्व अधर में लटका हुआ है। ऐसे में विद्यार्थियों के भविष्य पर भी संकट खड़ा हो रहा है। विद्यार्थियों की समस्या को सुनने के बाद पूर्व काबीना मंत्री ने दूरभाष पर श्री देव सुमन विश्वविद्यालय के कुलपति एनके जोशी से वार्ता कर समस्या का तुरंत निराकरण करने के निर्देश दिए।

1 नवंबर से शुरू होगा श्री देवलेश्वर सिद्धपीठ में बैकुंठ चतुर्दशी मेला

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सिद्धपीठ श्री देवलेश्वर महादेव मंदिर में पांच दिवसीय मेले की तैयारियां इन दिनों जोरों पर चल रही है। मंदिर समिति ने शिव ध्वजा से लेकर अन्य तैयारियां करना शुरू कर दिया है। मेला एक से पांच नवंबर तक लगेगा। कोविड काल में मेले का आयोजन नहीं किया गया था। ध्वजा तीन रंग में है जिसमें सबसे ऊपर पीला रंग होता है बीच में सफेद और सबसे नीचे लाल रंग है। समिति के सचिव जगत किशोर बड़थ्वाल ने बताया कि हर साल एक गांव ध्वजा लेकर आता है। दूसरे साल वहीं गांव इस ध्वजा को भी वापस उतारता है फिर नए गांव की ध्वजा चढ़ाई जाती है। बैकुंठ चतुर्दशी मेले के समय पर्चियां डाली जाती हैं, जिसमे उन गांवों का नाम होता है जो ध्वजा लाने के लिए तैयार होते हैं। ध्वजा लाने वाले गांव का हर परिवार ध्वजा लाने में शामिल होता है। गांव की हर बेटी जिसका विवाह हो गया हो, उन्हें भी निमंत्रण दिया जाता है। फिर शिव ध्वजा निकलती है और पूरे एक साल के लिये बाबा भोलेनाथ को अर्पित की जाती है। ध्वजा को एक साल बाद ही उतारा जाएगा। 2016 से देवलेश्वर महादेव में बैकुंठ चतुर्दशी मेला शुरू किया गया था।

टिहरी क्षेत्र की समस्याओं पर 14 को होगा मंथन

नईटिहरी। टिहरी विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में 11 नवंबर सचिवालय में बैठक होगी। जिसमें बीते करीब 4 साल में क्षेत्र में संचालित योजनाओं की प्रगति,नई योजनाओं और भविष्य के प्रोजेक्ट को लेकर गहन चर्चा की जाएगी। पूर्व में यह बैठक 14 अक्तूबर को होनी थी लेकिन किसी कारणवश उक्त तिथि को बैठक नहीं हो पाई। विधायक किशोर उपाध्याय ने बताया कि टिहरी विधानसभा के अंतर्गत जिला मुख्यालय नई टिहरी आता है। यहां के लिए अनेक योजनाओं पर पूर्व में सीएम और मुख्य सचिव को प्राथमिकता वाली योजनाओं की सूची दी थी। नई टिहरी सहित विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 11 नवंबर को शाम 5 बजे सचिवालय में बैठक होगी। बताया कि उनकी मुख्य मांगों में प्रो.हनुमंत राव कमेटी के आलोक में बांध विस्थापित और प्रभावितों को टिहरी में निशुल्क पेयजल,नई टिहरी शहर में अतिरिक्त भूमि का नियमतीकरण,बौराड़ी स्टेडियम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम बनाने,कोटी कालोनी से बौराडी होते हुए नई टिहरी तक रोपवे,कैथोली से चंद्रबदनी मंदिर तक रोपवे,नई टिहरी की आंतरिक सड़कों को हॉटमिक्स कराने,टिहरी विस को ओबीसी में शामिल करने,हिमालय और गंगा की रक्षा के लिए हिमालय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन संबंधी समस्या का निदान आदि शामिल है।

जंगल से सटे मार्गों पर खतरा, झाड़ियां बनी चुनौती

बरसात के बाद से मार्गों पर जगह-जगह उगी हैं झाड़ियां

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : डिग्री कालेज-ध्रुवपुर-सत्तीचौड़-मवाकोट मोटर मार्ग पर ध्रुवपुर से सत्तीचौड़ के मध्य सड़क किनारे उगी झाड़ियां दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं। सिर्फ यही एक मार्ग नहीं, बल्कि कई अन्य स्थानों पर भी सड़क किनारे उगी झाड़ियों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना हुआ है। झाड़ियां बढ़ने के कारण मानपुर, लालपुर सहित अन्य आबादी क्षेत्र में लगातार गुलदार की धमक भी बनी हुई है।

कोटद्वार में ध्रुवपुर से कण्वाश्रम को जाने वाले मार्ग पर उगी झाड़ियां

कोटद्वार का अधिकांश भाग वन क्षेत्र से सटा हुआ है। यही कारण है कि आबादी क्षेत्र में गुलदार, सुअर व हाथी की धमक बनी रहती है। लेकिन, पिछले कुछ माह से मानपुर, नंदपुर सहित भाबर क्षेत्र के अन्य स्थानों पर गुलदार की धमक देखने को मिल रही है। तीन दिन पूर्व गुलदार राहगिरों को महाविद्यालय से शिवपुर क्षेत्र को जाने वाली सड़क पर घूमता हुआ दिखाई दिया। वाहनों की आवाजाही को देख गुलदार सड़क किनारे झाड़ियों से होते हुए वापस जंगल में चला गया। इसी स्थान पर कुछ माह पूर्व गुलदार का एक वीडियो भी वायरल हुआ था। जिसमें उसने सड़क पर घूम रहे गोवंश को अपना निवाला बनाया था। यही नहीं नंदपुर में तो गुलदार आबादी के बीच तक पहुंच गया था। आबादी में घूमता गुलदार का वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हुआ। दरअसल, वर्षाकाल के बाद से क्षेत्र के जंगलों के आसपास बड़ी-बड़ी झाड़ियां उगी हुई हैं। जिससे गुलदार आसानी से अबादी तक पहुंच रहा है। लोगों का कहना है कि इन झाड़ियों में छिपा गुलदार कब आमजन पर हमला कर दें कुछ कहा नहीं जा सकता। सबसे बुरी स्थिति महाविद्यालय से घराट व ध्रुवपुर से कण्वाश्रम को जाने वाले मार्ग की बनी हुई है। वहीं, सनेह क्षेत्र को जाने वाली सड़क पर भी झाड़ियां चुनौती बन रही हैं।

स्मार्ट मीटर नहीं हटने तक जारी रहेगा धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में लगाए गए स्मार्ट मीटर को हटाने की मांग को लेकर लोगों का धरना शुक्रवार को भी जारी रहा। लोगों ने ऊर्जा निगम से जल्द से जल्द स्मार्ट मीटर हटाने की मांग उठाई। कहा कि जनता का शोषण किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कोटद्वार तहसील में स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना देते लोग

शुक्रवार को लोगों ने तहसील परिसर में ऊर्जा निगम व प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धरने पर डटे लोगों ने कहा कि लगातार शिकायत के बाद भी ऊर्जा निगम घरों में लगे स्मार्ट मीटर को नहीं हटा रहा है। स्मार्ट मीटर के कारण घरों में बिजली का बिल चार गुना आ रहा है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी गरीब परिवारों को हो रही है। मेहनत मजदूरी करने वालों की पूरी कमाई केवल बिजली के बिल को भरने में ही जा रही है। कहा कि सरकार को जल्द से जल्द स्मार्ट मीटर को हटाकर पुराने मीटर लगवाने चाहिए। जिससे लोगों को राहत मिल सकें। इस मौके पर पार्षद रीता देवी, बीना देवी, मदन सिंह, परमानंद, राम प्रकाश, इरफान, नसरीन, सुनील सिंह, राकेश नौटियाल, चंद्रमोहन आदि मौजूद रहे।

वन विभाग ने बनेख गांव में लगाएं ट्रैपिंग कैमरे

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पाबौ ब्लाक के बनेख में शुक्रवार को वन विभाग ने भालू को कैद करने के लिए चार ट्रैपिंग कैमरे लगा दिए हैं। साथ ही वन विभाग की टीम यहां गश्त कर रही है। वन विभाग ने सुबह की ग्रामीणों के साथ बैठक कर यहां ड्रोन से भी सर्वे किया है। वहीं दूसरी तरफ थलीसैंण के कुचौली, कठ्यूठ आदि गांवों में वन विभाग की टीम बीते कई दिनों से डेरा डाले हुई हैं। अभी तक भालू ने थलीसैंण के गांवों में मवेशियों को ही शिकार बनाया था, लेकिन अब पाबौ में भालू का पहला हमला भी देखने को मिला है। भालू के इस हमले के बाद वन विभाग की भी चुनौतियां बढ़ गई हैं।

बता दें कि बनेख गांव में गुरुवार की शाम को भालू ने एक महिला को घायल कर दिया था। घायल महिला का उपचार अभी भी जिला अस्पताल पौड़ी में चल रहा है। बनेख में भालू के महिला पर हमले के बाद समूचे क्षेत्र में भालू की दहशत बनी हुई है। ग्रामीणों ने भालू के आंतक से निजात दिलाने की मांग वन विभाग से की है। एक ओर भालू मवेशियों को निवाला बना रहा है तो दूसरी तरफ महिला को भी घायल कर दिया है। हालांकि इन दोनों इलाकों में दूरी काफी है। लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि क्षेत्र में एक ही भालू सक्रिय है या फिर एक से अधिक। कुचौली में लगाएं गए कैमरा ट्रैपों में भी भालू अभी तक कैद नहीं हो पाया है। गढ़वाल वन प्रभाग की एसडीओ आयशा बिष्ट ने बताया है कि भालू के हमले के बाद बनेख में भी वन विभाग की टीम तैनात कर दी गई है। यहां ड्रोन भी उड़ाया गया, लेकिन भालू की कोई गतिविधि नजर नहीं आई। यहां 4 ट्रैपिंग कैमरे भी लगाए गए हैं। इसके साथ ही स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठक कर सतर्क रहने की अपील की गई है।

छेनागाड़ में आई भीषण आपदा के 57 दिन बाद दो शव बरामद

रुद्रप्रयाग। छेनागाड़ में 28 अगस्त को आई भीषण आपदा में लापता हुए नौ लोगों में से दो के शव शुक्रवार को बरामद किए गए हैं। शवों की बरामदगी के साथ ही 57 दिन बाद राहत एवं बचाव दलों को सफलता मिली है। अभी शवों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ की टीम छेनागाड़ में लगातार मलबा हटाने का कार्य कर रही थी। शुक्रवार को खुदाई के दौरान एक बड़े पत्थर के नीचे शव दिखाई देने पर टीम ने पत्थर तोड़कर मलबा हटाया, तो दो शव बरामद हुए।

मौके पर आपदा प्रबंधन, पुलिस और प्रशासन की टीम पहुंच गई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि आपदा के 57 दिन बाद दो शव बरामद किए गए हैं। वहीं, गुप्तकाशी थाना प्रभारी रंजीत खनेरा ने बताया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंच चुकी है, और स्थानीय ग्रामीणों को बुलाया गया है ताकि शवों की पहचान की जा सके।

दो दिन बाद खुला अस्पताल, मरीजों की उमड़ी भीड़

कोटद्वार बेस अस्पताल में शुक्रवार को उमड़ी रही लोगों की भारी भीड़

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शुक्रवार को दो दिन के अवकाश के बाद खुले राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में मरीजों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। सुबह से ही लोग ओपीडी की पर्ची बनावाने के लिए लंबी-लंबी लाइनों में खड़े थे। अस्पताल में सबसे अधिक मरीज बुखार-जुकाम व सर्दी के थे। बदलते मौसम में चिकित्सकों ने मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी।

गोवर्धन पूजा व भैया दूज के अवकाश के बाद शुक्रवार को राजकीय बेस अस्पताल की ओपीडी खुली। ऐसे में सुबह से ही दूर-दूर से मरीज उपचार के लिए पहुंचने लगे थे।

कोटद्वार के राजकीय बेस चिकित्सालय में ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए उमड़ी मरीजों की भीड़

ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए मरीजों व उनके तीमारदारों की लंबी लाइन लगी हुई थी, जो कि दोपहर बारह बजे तक भी नजर आई। सबसे अधिक मरीज सर्दी-जुकाम व बुखार से ग्रसित थे। ऐसे में फिजिशियन ने अतिरिक्त समय देखकर मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। मरीजों की भीड़ के कारण सबसे अधिक परेशानी पहाड़ी क्षेत्र से आने वाले मरीजों को उठानी पड़ी। भीड़ के कारण पहाड़ से आने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों को समय से वापस जाने के लिए वाहन नहीं मिल पाए। साथ ही भीड़ के कारण कई लोगों ने निजी चिकित्सकों के पास जाना ही बेहतर समझा।

मणिपाल विवि के शोधार्थियों ने हेंवलवाणी में जुटाई जानकारी

नईटिहरी। दक्षिण भारत के प्रमुख मणिपाल विश्वविद्यालय के शोधार्थियों का एक दल विषय पर शोध कार्य के लिए चंबा पहुंचा। शोध दल ने पहले दिन सामुदायिक रेडियो हेंवलवाणी में विभिन्न रोचक जानकारियां हासिल की। शुक्रवार को मणिपाल विवि का दल निर्देशिका डॉ.आस्था चौहान के नेतृत्व में चंबा पहुंचा। पहले दिन दल ने सामुदायिक रेडियो हेंवलवाणी में विमर्श किया। बता दें कि वर्षों से विभिन्न विश्वविद्यालयों के शोधार्थी छात्र–छात्राएं उत्तराखंड में विभिन्न शोधपरक जानकारियां जुटाने टिहरी आते रहे हैं। दल ग्राम पंचायत सौड़ जाकर स्थानीय महिलाओं, छात्रों, ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों से विमर्श करेंगे। साथ ही जडधार गांव, एसआरटी परिसर, बादशाहीथौल, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में जाकर भी जानकारियां लेंगे। टिहरी के विभिन्न सांस्कृतिक प्रतिष्ठानों, टिहरी बांध,कोटी कॉलोनी का भी वे भ्रमण करेंगे। शोधार्थी छात्र देश के विभिन्न राज्यों से पढ़ने वाले छात्र हैं।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत उपभोक्ता सेवा/राजस्व वसूली शिविर सूचना माह- अक्टूबर, 2025

विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा के अन्तर्गत सभी सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निम्न वर्णित स्थानों पर विद्युत उपभोक्ता सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उक्त शिविरों में विद्युत बिलों का भुगतान, त्रुटिपूर्ण विद्युत बीजकों में संशोधन, नये विद्युत संयोजन निर्गत करना/वर्तमान विद्युत संयोजनों के विद्युत भार वृद्धि, खराब विद्युत मीटर बदलने, इत्यादि समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। जिसमें सम्बन्धित क्षेत्र के उपखण्ड अधिकारी/अवर अभियन्ता एवं क्षेत्रीय कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे।

क्र0 सं0	उपखण्ड अधिकारी का नाम व मोबाईल नं०	दिनांक	शिविर का स्थान	अवर अभियन्ता का नाम व मोबाईल नं0
विद्युत वितरण उपखण्ड- स्यूँसी				
1	श्री नवीन कुमार (मो० नं०- 94120 81777)	25/10/2025	मैठाणाघाट	श्री मनोज कुमार (मो० नं0-73022 57308)
2		27/10/2025	गौन	श्री कृष्णकान्त थपलियाल (मो० नं०- 94111 10016)
3		28/10/2025	दिगोलीखाल	श्री कृष्णकान्त थपलियाल (मो० नं०- 94111 10016)
4		29/10/2025	गौलीखाल	श्री कृष्णकान्त थपलियाल (मो० नं०- 9111 10016)
5		30/10/2025	रसिया महादेव	श्री मनोज कुमार (मो० नं0-73022 57308)
विद्युत वितरण उपखण्ड- रिखणीखाल				
1	श्री नवीन कुमार (मो० नं०- 94120 81777)	28/10/2025	सिद्धखाल	श्री कुलदीप सिंह (मो० नं0- 63959 83172)
2		29/10/2025	[illegible]	
विद्युत वितरण उपखण्ड- थलीसैंण				
1	श्री अभिषेक सिंह नेगी (मो० नं0- 73022 57309)	25/10/2025	उफरैंखाल	श्री धर्मेन्द्र कुमार (मो० नं०- 94111 10014)
2		26/10/2025	जसपुरखाल	
3		27/10/2025	जगतपुरी	

अतः इस खण्ड के अन्तर्गत समस्त सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं से आग्रह है कि उक्त शिविर में उपस्थित होकर अपने विद्युत बिलों का भुगतान करने एवं उपरोक्त वर्णित सुविधाओं का लाभ उठाने हेतु अवश्य आयें।

पत्रांक : 682/विविख(नै0)/उपाकालि0/कैम्प/
दिनांक : 24.10.2025

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

जनता के हित में जल्द से जल्द बनाए लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण को लेकर लोगों का धरना जारी रहा। लोगों ने सरकार से जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि जनता के हित को देखते हुए इस ओर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए।

शुक्रवार को लोगों ने चिल्लरखाल चौकी में सरकार से मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि हर चुनाव में जनता को लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग का सपना दिखाया जाता है। लेकिन, आज तक यह सपना पूरा नहीं हुआ। कहा कि शहर के बेहतर विकास के लिए लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण आवश्यक है। मार्ग निर्माण से पर्यटन के साथ ही विकास को भी गति मिलेगी। लेकिन, सरकार मार्ग निर्माण को लेकर लापरवाह बनी हुई है। शिकायत के बाद भी न्यायालय में मार्ग निर्माण की पैरवी को हलके में लिया जा रहा है। कहा कि मार्ग निर्माण का कार्य धरातल पर जल्द से जल्द हो इसके लिए सरकार को न्यायालय में पुख्ता पैरवी करनी चाहिए। कहा कि जब तक मार्ग निर्माण नहीं होता लोगों का आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर प्रवीण थापा, महेश नैनवाल, संजय रावत, ध्यान सिंह आदि मौजूद रहे।

चिल्लरखाल में मार्ग निर्माण की मांग उठाते क्षेत्रवासी

धूमधाम से मनाई जाएगी सरदार पटेल की जयंती

स्कूल, कॉलेजों में होगी वाद-विवाद, निबंध, भाषण और नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई जायेगी। जयंती की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी पौड़ी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को अफसरों के साथ बैठक हुई। डीएम ने कहा कि जिले में 31 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक राष्ट्रीय एकता एवं जनजागरूकता पद यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं और आम नागरिकों में एकता, अनुशासन, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता का संदेश देने का काम किया जाएगा। बताया कि स्कूलों, कॉलेजों में युवाओं के बीच युवा उत्तराखंड, आत्मनिर्भर भारत जैसी थीम पर वाद-विवाद, निबंध, भाषण तथा नारा लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

बैठक में डीएम ने कहा कि सरदार पटेल केवल भारत के लौह पुरुष नहीं, बल्कि एकता और अखंडता के प्रतीक थे। उनकी जयंती को जनभागीदारी से जोड़कर मनाना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डीएम ने नोडल अफसर जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल रविन्द्र फोनिया को निर्देश दिए कि शासन के निर्देशों के तहत सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाए। संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि पदयात्रा के लिए रूट निर्धारण, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सीय सहायता और यातायात प्रबंधन की समुचित व्यवस्था की जाए। डीएम ने सहभागिता को सशक्त बनाने के लिए युवा कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि पदयात्रा में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इस पदयात्रा में जनप्रतिनिधियों, व्यापार संघ के सदस्यों, स्कूल व कॉलेजों के विद्यार्थियों सहित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भी शामिल किया जाय, रूटों पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएं।

बैठक में सीडीओ गिरीश गुणवंत, एडीएम अनिल गर्ब्याल, एसीएमओ विनय कुमार त्यागी, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर रावत सहित अन्य अफसर मौजूद रहे।

ई रिक्शा चालक पर हमला कर ब्रेन डेड करने में एक आरोपी गिरफ्तार

देहरादून। ई–रिक्शा चालक पर जानलेवा हमला कर उसे ब्रेन डेड की स्थिति में पहुंचाने के मुख्य आरोपी को बसंत विहार थाना पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। घटना 21 अक्तूबर की रात बसंत विहार क्षेत्र में ब्लिंकिट स्टोर के बाहर हुई थी।

सार्वजनिक सूचना

मैं कि श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी स्व0 विनोद सिंह निवासी ग्राम संदणा, पट्टी तल्ला बदलपुर, तहसील लैन्सडौन, जिला पौड़ी गढ़वाल द्वारा ग्राम पूर्वी झण्डीचौड़, पट्टी मोटाढ़ाक, तहसील कोटद्वार गढ़वाल के हाल खतौनी खाता संख्या 71 के खेत संख्या 63 मध्ये रकबा 0.016 हेक्टेयर भूमि क्रय की गई है। पूर्व विक्रेता श्री सकलानन्द ध्यानी पुत्र सचिदानन्द ध्यानी द्वारा श्री सतेन्द्र सिंह रावत पुत्र श्री प्रेम सिंह रावत के नाम सब-रजिस्ट्रार कार्यालय कोटद्वार में बही संख्या 1, जिल्द संख्या 397/325 के पेज संख्या 365/517 से 522, दस्तावेज संख्या 1337, दिनांकित 18-04-2011 के जरिये बेची गई थी, जो कि श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी स्व0 विनोद सिंह की चैन ऑफ टाईटिल का हिस्सा है जो कि वास्तव में कहीं खो गयी है व बहुत खोजबीन करने पर भी नहीं मिल पा रही है। उपरोक्त सम्पत्ति पर उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक शाखा झण्डीचौड़, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल से ऋण लिया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी को आपत्ति है तो वह रामेश्वरी देवी पत्नी स्व0 विनोद सिंह से सम्पर्क करें।

रामेश्वरी देवी पत्नी स्व0 विनाद सिंह निवासी ग्राम संदणा, पट्टी तल्ला बदलपुर, तहसील लैन्सडौन, जिला पौड़ी गढ़वाल, मोबा0नं0-8858011438

सरकारी अस्पताल में तकनीशियन नहीं होने से लोग परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : सतपुली के सरकारी अस्पताल मे एक्सरे और अल्ट्रासाउंड मशीनें मरीजों के काम नहीं आ रही हैं। लाखों की मशीनें अस्पताल में ही धूल फांक रही है। चार महीने से अस्पताल में तकनीशियन नहीं होने से एक्सरे और अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालन नहीं हो पा रहा है। जिस कारण मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में तकनीशियन नहीं होने से मरीजों को शहर की ओर रूख करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने शासन-प्रशासन से संयुक्त अस्पताल में जल्द तकनीशियन की तैनाती करने की मांग की है। नगर पंचायत में स्थित संयुक्त अस्पताल में करीब चार महीने से तकनीशियन के नहीं होने से एक्सरे और अल्ट्रासाउंड मशीन का संबंधी काम संचालित नहीं हो रहा है। मरीजों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। बीते जनवरी से ही अस्पताल में एक्सरे की सुविधा नहीं है। हालांकि अब हरिद्वार से एक्सरे तकनीशियन ने सीएमओ दफ्तर में ज्वाइन किया है। इससे पहले तकनीशियन का हरिद्वार तबादला हो गया था और उनके स्थान पर हरिद्वार में तैनात टेक्निशियन को ही यहां भेजा गया था। लेकिन तकनीशियन ने इस बीच अपनी ज्वाइनिंग नहीं दी है। स्थानीय सरकारी अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए एक्सरे मशीन के अलावा अल्ट्रासाउंड भी है। इसके लिए भी विशेषज्ञ तैनात नहीं है। ऐसे में लाखों की मशीनें मरीजों के काम नहीं आ रही है। नरेंद्र सिंह नेगी, वार्ड सदस्य चंद्रमोहन रावत ने मांग की जल्द से अस्पताल में एक्सरे व अल्ट्रासाउंड मशीनों के टेक्नीशियनों को तैनात की जाए। इधर, पौड़ी के सीएमओ डॉ. एसएम शुक्ला ने बताया कि दंत चिकित्सक ने सतपुली में ज्वाइन कर लिया है।

जिला मुख्यालय को जल्द मिलेगी नई पेयजल योजना की सौगात, सर्वे जारी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिला मुख्यालय को जल्द ही एक नई पेयजल योजना की सौगात मिल सकती है। जल संस्थान जिला मुख्यालय के लिए श्रीनगर से एक नई पेयजल योजना बनाने की तैयारी कर रहा है। इन दिनों इस योजना को लेकर जल संस्थान सर्वे का काम कर रहा है। बता दें कि पौड़ी मुख्यालय को अभी नानघाट पेयजल योजना सहित श्रीनगर से ही दो पंपिंग योजनाओं से पानी मिल रहा है। श्रीनगर से आने वाली करीब डेढ़ एमएलटी क्षमता की योजना अब काफी पुरानी हो गई है और अपनी अवधि पूरी भी कर चुकी है। आए दिन इस योजना के पाइप पानी के प्रेशर से क्षतिग्रस्त होते रहते हैं। वहीं स्रोत से पौड़ी के लिए आई ग्रेविटी स्कीम नानघाट से भी गर्मियों में पानी 1 एमएलडी तक हो जाने से मुख्यालय में उपभोक्ताओं को पेयजल किल्लत से जूझना पड़ता है। जल संस्थान के अधिकारियों के अनुसार शहर में नए होटल और संस्थानों के आने से पानी की मांग पहले से बढ़ गई है। पौड़ी के आस-पास ऐसा कोई स्रोत भी नहीं है, जिससे पौड़ी शहर के लिए पानी की योजना बनाई जा सके। ऐसे में श्रीनगर अलकनंदा ही विकल्प रहता है। पौड़ी मुख्यालय की मांग करीब साढ़े 7 एमएलडी तक पहुंच गई है। लेकिन तीनों योजनाओं से 6 एमएलडी से भी कम पानी मिल रहा है। पौड़ी में उपभोक्ताओं को केवल सुबह ही पानी मिल पाता है। ऐसे में अब श्रीनगर से करीब 2 एमएलडी नई योजना बनाने पर काम शुरू किया गया है।

उत्तर रेलवे
ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा मुरादाबाद मंडल के विभिन्न एन-1, एन तथा बी कैटेगरी के रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग स्टाल (स्टैंड माइनर यूनिट्स) एवं हरिद्वार स्टेशन पर पार्किंग के आवंटन हेतु ई-बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 13.11.25 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

3265/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार अभि./उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	202-Repair-Sig-SNT-GG रिपेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट ऑफ वेरियस टाइप ऑफ G.G. tronics काउंटर्स ओवर मुरादाबाद डिवीजन	1586784.87	31300.00	Nil	18.11.2025 15:00 hrs.
2	12-Ansaldo-AMC-Sig-MB202 कॉम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ EI ऑफ अन्साल्डो मेक फॉर थ्री ईयर ओवर मुरादाबाद	15473760.10	227400.00	Nil	18.11.2025 15:00 hrs.
3	SNT-SIG-PRI-GCT-2025-26 एस एंड टी वर्क इन कनेक्शन विथ वर्क फॉर गती शक्ति कार्गो टर्मिनल (GCT) एट पथरी स्टेशन	7227558.72	144800.00	Nil	18.11.2025 15:00 hrs.
4	01-Tele-ClockPA-MB2024-25 प्रोविजन ऑफ मिनिमम एसेंशियल एमेनिटीज ऑफ रेलवे स्टेशन (पीए सिस्टम एट 78 स्टेशन एंड डिजिटल क्लॉक एट 123 स्टेशन)	28733647.13	283700.00	Nil	18.11.2025 15:00 hrs.

नोट– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना 202-Repair, 12-Ansaldo, PRI-GCT, Clock PA-2024-25 दि0 22.10.2025

3297/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संक्षिप्त समाचार

मेडिकल छात्रों और युवाओं की मानसिक स्थिति पर होगा शोध

देहरादून। राज्य में मेडिकल छात्रों और युवाओं की मानसिक स्थिति पर शोध किया जाएगा। एचएनबी मेडिकल विवि की ओर से राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुतीकरण रखा गया। राज्यपाल ने इसे सराहा और दस हजार का इनाम देकर नवाजा है। कुलसचिव प्रो डॉ आशीष उनियाल ने यह जानकारी दी। कहा कि राज्यपाल और कुलाधिपति ले. ज. गुरमीत सिंह सेनि की अध्यक्षता में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शासन के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक हुई। पूर्व में निर्देशित कार्यों की श्रृखला में विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई पांच मिनट की विडियो क्लिप (विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति से सम्बन्धी), विश्वविद्यालय के संस्थापक व प्रथम कुलपति डॉ एमसी पन्त पर लिखी गई पुस्तक एवं विश्वविद्यालय की काफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। नवीन विचारणीय बिन्दुओं में एक विश्वविद्यालय एक शोध के अन्तर्गत नये विषय वर्तमान जीवन शैली का विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरूण कुमार त्रिपाठी द्वारा उक्त विषय का संक्षिप्त परिचय दिया गया। कुलाधिपति द्वारा समसामयिक विषय बताकर विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को सराहा गया। इस विषय की महत्ता व प्रासंगिकता की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अरूण कुमार त्रिपाठी को 10 हजार नकद पुरस्कार दिया गया व आशा व्यक्त की गई कि प्रस्तावित विषय युवाओं में बढ़ रहे तनाव एवं मानसिक स्वास्थ्य को बखूबी अभिव्यक्त करेगा और इसके निदान के सकारात्मक उपायों को अपनाएगा।

चाउमीन ठेले पर दो पक्षों के बीच मारपीट, केस दर्ज

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र के जमालपुर में मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट और गर्म तेल फेंकने का आरोप लगाया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रमा विहार कॉलोनी, जमालपुर निवासी विनीत कुमार पुत्र सुरेश चंद्र ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि 19 अक्तूबर की रात करीब साढ़े आठ बजे वह खाद्य गोदाम के पास राणा कॉम्प्लेक्स के सामने चाउमीन की ठेली लगाए था। इसी दौरान तीन से चार लोग, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल थीं, उसके ठेले पर आए और चाउमीन खाई। खाना खाने के बाद जब उन्होंने पानी मांगा तो विनीत ने बताया कि ठेले पर पानी खत्म हो गया है। इस बात पर सभी भड़क गए और गाली गलौज करने लगे। विनीत ने जब विरोध किया तो उनमें से एक युवक ने उसके साथ धक्का मुक्की और मारपीट शुरू कर दी। झगड़े के दौरान एक व्यक्ति पर कढ़ाई का गर्म तेल भी उलट गया। दूसरे पक्ष के द्वारिका विहार गुरुकुल कांगड़ी निवासी चंदा पुत्र अछले ने भी शिकायत कर बताया कि रात वो अपने परिवार के साथ एक रेडी पर चाउमीन खाने रुका था। ठेले पर दीपक प्रजापति उर्फ दीपू नामक व्यक्ति चाउमीन बेच रहा था। खाना खाने के बाद जब चंदा के बेटे अमित ने पानी मांगा, तो दीपक ने उल्टे तेवर दिखाते हुए पानी देने से मना कर दिया। जब अमित ने कहा कि ठेले पर पानी रखा है, तो दीपक भड़क उठा और गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने अमित से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान चंदा की पत्नी ने बीच बचाव करने की कोशिश की तो दीपक ने उसके साथ भी धक्का मुक्की कर कपड़े फाड़ दिए। बात बढ़ने पर आरोपी ने कढ़ाई में खौलता हुआ तेल अमित के चेहरे पर फेंक दिया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। तेल की छींटें चंदा की पत्नी और छोटे बच्चों पर भी पड़ीं।

नहाय–खाय के साथ आज से होगा छठ पर्व का आगाज

विकासनगर। दीपावली के जश्न के समापन के बाद शनिवार से पछुवादून में आस्था के महापर्व छठ की शुरुआत हो जाएगी। शाम को नहाय खाय के साथ व्रती लोगों के घरों में छठ पूजा के पारंपरिक गीत गूंजने लगेंगे। शुक्रवार को सुबह से ही लोग छठ पूजा की तैयारियों में लगे रहे। घरों में साफ–सफाई के साथ ही फलों की खरीदारी की गई। सेलाकुई बाजार में सुबह से ही खरीदारी करने वालों की भीड़ लगी रही। लोगों ने फल, सब्जी के साथ ही पूजा का सामान भी खरीदा। पुराणों में मिलता है छठ पूजा का वर्णन : पुराणों के अनुसार, प्रियव्रत नामक राजा की कोई संतान नहीं थी। संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने पुत्र प्राप्ति यज्ञ करने का परामर्श दिया। राजा को पुत्र तो हुआ, लेकिन मरा हुआ। जब अपने मृत पुत्र को दफनाने के लिए राजा गए,

चंपावत में होगी कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया 20.50 करोड़ की 10 विकास योजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को शारदा घाट, टनकपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए 20.50 करोड़ लागत की 10 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पंतनगर की तर्ज पर चंपावत में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना किए जाने एवं छीनीगोठ क्षेत्र में बाढ़ राहत एवं सुरक्षा कार्य किए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छीनीगोठ एवं आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ राहत एवं सुरक्षा कार्य कराए जाने से यह क्षेत्र मानसून में होने वाले क्षत्रि से बच सकेगा और कृषि भूमि व सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा। कहा कि पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की तर्ज पर चंपावत में एक नया कृषि विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। इस विश्वविद्यालय से स्थानीय युवाओं को कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों में उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के अवसर मिलेंगे। यह कदम क्षेत्र में वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देगा और पर्वतीय कृषि अर्थव्यवस्था को नई पहचान प्रदान करेगा। उन्होंने कहा ये दोनों घोषणाएं चंपावत को शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम हैं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, उत्तराखंड को हर क्षेत्र में आगे बढ़ा रही है। आज शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान, रोजगार देने एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने हर क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है। चंपावत जिले में भी विकास को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि चंपावत में विकास को आगे बढ़ाते हुए इसे एक आदर्श जिले के रूप में स्थापित किया जा रहा है। इस अवसर पर दायित्वधारी श्याम नारायण पांडे, शंकर कोरंगा, जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति आदि मौजूद रहे।

सरकार राज्य के विकास और जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अपने एक दिवसीय जनपद चंपावत भ्रमण के दौरान बनबसा और टनकपुर क्षेत्र में स्थानीय महिलाओं द्वारा आयोजित भैया दूज (च्यूड़ा पूजन) समारोह में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की संस्कृति और परंपराएं हमारी पहचान हैं और इन पर्वों के माध्यम से हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने इस पावन अवसर पर प्रदेश की सभी माताओं और बहनों को भैया दूज की शुभकामनाएं देते हुए राज्य के विकास और जनता के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कुमाऊं की गौरवशाली परंपरा का प्रदर्शन कर महिलाओं ने पारंपरिक रूप से कुमाऊं का प्रसिद्ध च्यूड़ा पूजन नाम से जाना जाता है। इस पवित्र अनुष्ठान के माध्यम से महिलाओं ने मुख्यमंत्री की लंबी आयु, स्वस्थ जीवन और दीर्घायु की कामना की। यह पूजन भाई-बहन के अटूट बंधन और लोक परंपराओं के प्रति स्थानीय लोगों की गहरी आस्था का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने टनकपुर स्थित शारदा घाट पहुंचकर पूजा-अर्चना की एवं प्रदेश में सुख शांति एवं कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्णागिरि क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं को यह आरती अपनी ओर आकर्षित करती है। शारदा घाट में आने से धार्मिक भावनाओं का संचार और प्राकृतिक नजरों के दर्शन भी होते हैं। कहा कि इस आरती के शुरू होने से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियां बड़ी हैं, जिससे यहां के लोगों को रोजगार भी मिला है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष गोविंद सामंत, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस खाती आदि मौजूद थे।

देहरादून में आयोजित हुआ रोज़गार मेला

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्चुवल माध्यम से आज शुक्रवार को देश भर के 40 विभिन्न स्थानों पर लगभग 51,000 नव नियुक्तो को नियुक्ति पत्र जारी किये गए। इसी क्रम में उत्तराखण्ड में देहरादून स्थित सर्वे ऑफ़ इंडिया के ऑडिटोरियम में रोजगार मेले का आयोजन किया गया जिसमें उत्तराखण्ड डाक परिमण्डल की मुख्य पोस्टमास्टर जनरल शशि शालिनी कुजूर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई । इस अवसर पर उत्तराखण्ड डाक विभाग में नियुक्त 59 डाक सहायको एवं डाक सेवकों के अतिरिक्त रेलवे के 14 , केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के 81, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के 19, टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड के 41 एवं आईआईएम सिरमौर के 01 सहित 215 नव नियुक्त युवाओ को नियुक्ति पत्र वितरित किये गए। इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल ने सभी नव नियुक्त युवाओं को उनकी नियुक्ति के लिए शुभकामनाये दी एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना के साथ उनका आव्वाहन करते हुए कहा कि वे तत्परता एवं ईमानदारी से अपने कर्तव्य को निभाएं एवं देश की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान प्रदान करे कउन्होंने यह भी बताया कि रोजगार मेला रोजगार सृजन को सवोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है।

छठ पर्व से तन और मन को मिलता है बल

विकासनगर। छठ पूजा की सबसे खास बात यह है कि यह केवल पूजा नही, बल्कि सूर्योपासना है। वेदों में कहा गया है कि सूर्य समस्त जीवन की आत्मा है। वैज्ञानिक रूप से भी यही सत्य है। सूर्य की रोशनी हमारे शरीर में विटामिन डी के निर्माण की प्राकृतिक प्रक्रिया को सक्रिय करती है, जो हड्डियों, प्रतिरक्षा तंत्र और मानसिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। छठ पर्व में सूर्योदय और सूर्यास्त दोनों समय पूजा की परंपरा है। यही समय वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सुबह छह से आठ बजे और शाम चार से छह बजे तक की धूप यूवी–बी रे का सबसे संतुलित रूप होती है, ऐसी किरण जो त्वचा को नुकसान पहुंचाए बिना शरीर को पर्याप्त विटामिन डी प्रदान करती है। जब व्रती बिना किसी केमिकल लोशन या धूप से बचाव के सूर्य की किरणों को ग्रहण करते हैं, तो उनका शरीर प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स होता है और कोशिकाओं में कैल्शियम–फॉस्फोरस संतुलन बनता है।आयुर्वेद कहता है कि सूर्य नाड़ी शरीर की अग्नि (पाचन शक्ति) को नियंत्रित करती है। छठ व्रत में भोजन और जल का संयम, लगातार उपवास और ध्यान, ये सभी शरीर में एंडोक्राइन सिस्टम को संतुलित करते हैं।

भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं की कथा सुन श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम तकलना गांव में इन दिनों भक्तिमय का वातावरण हो रखा है। तकलना गांव में आजकर श्रीमद् भागवत कथा चल रही है। श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन शुक्रवार को कथा वाचक आचार्य मनोज थपलियाल ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भगवान मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक है, भगवान कृष्ण ने बचपन में अनेकों लीलाएं की भगवान बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। कथा श्रवण के दौरान श्रद्धालु भक्ति के सागर में मंत्रमुग्ध दिखे और कथा के साथ-साथ भजनों पर श्रोता खूब झूमे।

सेवानिवृत शिक्षक आचार्य सुदामा प्रसाद कपटियाल द्वारा अपने पिताजी स्वर्गीय वैध रामभरोसे कपटियाल एवं छोटा अनुज स्वर्गीय दिवाकर कपटियाल सहित अन्य पित्रों की पुण्य स्मृति में निवास स्थान पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत पुराण कथा यज्ञ करवाया जा रहा है। कथा वाचक आचार्य मनोज थपलियाल ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन से निरंतर पलायन के कारण वीरान पड़ी हमारी पूर्वजों की धरोवर को संवारने और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति जुड़ने का अवसर भी मिलता है। देश-प्रदेश में रहने वाले प्रवासियों को अपनी मात्र भूमि में पितृ कार्य में शामिल होने पर अपनी माटी से जुड़ी यादें ताजी हो जाती है। इस अवसर पर पंडित शिव प्रसाद कुकरेती, मुकेश चन्द्र थपलियाल, मनोज नैथानी, घनानन्द बगासी, अनुप जुगराण, दीपक जोशी सहित सुदामा प्रसाद कपटियाल, कृष्ण कपटियाल, अभिषेक कपटियाल आदि मौजूद थे।

बनबसा लैंड पोर्ट सीमा पार व्यापार को बनाएगा सशक्त

मुख्यमंत्री ने आधुनिक लैंड पोर्ट परियोजना का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को चंपावत जनपद के बनबसा स्थित गुदमी क्षेत्र में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा लगभग 500 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाली आधुनिक लैंड पोर्ट परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 500 करोड़ की लागत से बनने जा रहा यह आधुनिक लैंड पोर्ट भारत और नेपाल के बीच व्यापार एवं यात्री आवागमन के लिए एक समेकित, सुविधाजनक और सुरक्षित प्रणाली विकसित करेगा। यहां कस्टम, सुरक्षा, व्यापार एवं बॉर्डर से जुड़ी सभी प्रमुख एजेंसियां एक ही परिसर में कार्य करेंगी, जिससे सीमा प्रबंधन में अधिक तेज, पारदर्शी आयेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना भारत-नेपाल के बीच सहयोग, व्यापार और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में बेहद सहायक सिद्ध होगी। बताया कि भारत सरकार की लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया इस महत्वाकांक्षी परियोजना को उत्तराखंड सरकार के सहयोग से तेजी से आगे बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के आरंभ से ही पर्यावरणीय मंजूरी, प्रतिपूरक पौधा रोपण और भूमि हस्तांतरण की सभी औपचारिकताएं पूर्ण होती रही हैं। इस वर्ष पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लगभग 84 एकड़ वन भूमि को अंतिम स्वीकृति मिल चुकी थी, जिसके बाद परियोजना के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल अवसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीमांत क्षेत्रों के आर्थिक परिदृश्य को बदलने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि रणनीतिक रूप से स्थित बनबसा लैंड पोर्ट सीमा पार व्यापार को भी सशक्त बनाएगा, कृषि व औद्योगिक उत्पादों के लिए एक औपचारिक प्रवेश द्वार तैयार करेगा और स्थानीय युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर उत्पन्न करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना भारत सरकार की क्षेत्रीय एकीकरण की दृष्टि और सुरक्षित, सतत सीमा विकास नीति के अनुरूप है। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार, भूमि पोर्ट प्राधिकरण और राज्य के सभी विभागों, एजेंसियों को आपसी समन्वय से कार्य करने की बात कही, ताकि निर्माण कार्य शीघ्र हो सके।

आईटीबीपी अकादमी में बल का 64वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

देहरादून। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल अकादमी ने बल का 64वां स्थापना दिवस सैनिक रीति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के ध्वज को सलामी देकर जवानों ने आईटीबीपी की आन बान व शान की रक्षा करने का संकल्प लिया। स्थापना दिवस पर परेड ग्राउंड में सहायक सेनानी की कमान में बल के जवानों ने आकर्षक वेशभूषा से सुसज्जित सैन्य दस्ते ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के ध्वज को सलामी दी।निदेश-क आईजी जीसी उपाध्याय ने परेड की सलामी ली व अपने संबोधन में देश के अभेद्य सुरक्षा प्रदान करने वाले व बल की भूमिका व शानदार उपलब्धियों को गिनाते हुए जवानों को अपनी डयूटी पूर्ण निष्ठा व समर्पण से निभाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि बल ने मात्र चार बटालियनों के साथ देश की उत्तरी सीमाओं की रक्षा का कार्यभार ग्रहण किया था जो वर्तमान में बढ़कर 63 हो गयी है। बल 1962 से लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश के लिपुलेक तक फैली देश की विशाल सीमा को सुरक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि बल के जवान माइनस 45 डिग्री सेल्सियस तापमान में अग्रिम चौकियों पर तैनात रहकर अपने बल के आदर्श वाक्य शौर्य, दृढ़ता, व कर्मनिष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निवर्हन कर रहे हैं। सीमा प्रबंधन के अलावा अति बल कश्मीर में आतंकवाद एवं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आंतरिक सुरक्षा, विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा व संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में देश का प्रतिनिधित्व करने का भी गौरव प्राप्त है। बल ने मार्शल आर्ट पर्वतारोहण, राफ्टिंग, एंव स्कीइंग जैसे साहसिक खेलों में भी कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

छावनी परिषद में सीवर, स्ट्रीट लाइट, सड़क दुर्दशा का मुद्दा उठाया

रुड़की। छावनी परिषद लंढौर कार्यालय परिसर में आयोजित जनता दरबार में क्षेत्र में जाम, सीवर, स्ट्रीट लाइट, सड़क दुर्दशा का मुद्दा उठा। छावनी परिषद लंढौर की मुख्य अधिशासी अधिकारी अंकिता सिंह ने जनता दरबार में कहा कि छावनी परिषद लंढौर की समस्याओं का समाधान हर हाल में किया जाएगा। उन्होंने जनता दरबार में छावनी क्षेत्र की समस्याओं को सुना जिसमें सबसे प्रमुख समस्या जाम की रही। इसके लिए एक कमेटी गठित कर उसके सुझावों को अमल में लाया जाएगा। शुक्रवार को छावनी परिषद लंढौर कार्यालय परिसर में आयोजित जनता दरबार में छावनी क्षेत्र की जनता ने समस्याओं को रखा, जिसमें सीवर, स्ट्रीट लाइट, सड़क दुर्दशा सफाई, म्युटेशन, के साथ ही लंढौर क्षेत्र में लगने वाले जाम की समस्याओं को उठाया।

जनता दरबार में भरत सिंह रौंछेला ने छावनी परिषद द्वारा सीवर व वाटर टैक्स लिए जाने का मामला उठाया। कहा कि सीवर व वाटर टैक्स पूरे प्रदेश में समाप्त कर दिया गया है लेकिन छावनी परिषद ले रहा है। कहा कि उक्त टैक्स को समाप्त किया जाय। अब केवल सीट व हाउस टैक्स ही लिया जाता है। व्यापार संघ के महामंत्री जगजीत कुकरेजा ने छावनी परिषद जाने वाले पर्यटकों के वाहनों से लंढौर बाजार के व्यापार को प्रभावित होने का मामला उठाया। उन्होंने छावनी क्षेत्र में जाने वाले वाहनों को घंटाघर से टिहरी बाईपास होते हुए मलिंगार की ओर से डायवर्ट करने की मांग की ताकि लंढौर बाजार का व्यवसाय प्रभावित न हो। वहीं सफाई, रोड की मरम्मत करने, स्ट्रीट लाइट लगाने आदि की समस्याओं को भी रखा गया। क्षेत्रवासियों ने अपनी व्यक्तिगत समस्याओं को भी रखा। इस मौके पर सीईओ अंकिता सिंह ने कहा कि सबसे प्रमुख मुद्दा जाम का रहा है जिसको कम करने का समय समय पर प्रयास किया गया लेकिन अभी तक इसका समाधान नहीं निकल पाया। इस संबंध में सुझाव लिए गये जिसके लिए कमेटी बनायी जायेगी व जो सुझाव दिए गये उन्हें पहले ट्रायल किया जायेगा व उसके बाद बोर्ड में लाया जायेगा। ––– बीस दिनों में शुरू होगा ओल्ड एंज रिग्रेशन सेंटर उन्होंने कहा कि ओल्ड एंज रिग्रेशन सेंटर शुरू करने जा रहे हैं जिसमें जनऔधषि केंद्र व डिस्पेंसरी खोली जायेगी जो बीस दिनों में शुरू की जायेगी।

संरक्षित पशु कटान की सूचना पर छापा, 210 किलोग्राम मांस बरामद

हरिद्वार। भगवानपुर थाना पुलिस ने संरक्षित पशु कटान की सूचना पर एक गांव के जंगल में छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस ने दो लोगों को रंगे हाथ पशु कटान करते हुए पकड़ा, जबकि दो आरोपी मौके से भाग निकलने में सफल हो गए है। पुलिस ने मौके से 210 किलोग्राम पशु का मांस व अवशेष बरामद किए है। साथ ही पशु कटान में इस्तेमाल में किए जा रहे उपकरणों को भी जब्त किया है। भगवानपुर थाना प्रभारी निरीक्षक सूर्यभूषण नेगी ने बताया कि थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि शाहमंसूर गांव के जंगल में एक स्थान पर संरक्षित पशु का कटान किया जा रहा है। सूचना पर तुरंत ही एक पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हुई। पुलिस टीम को देख पशु कटान कर रहे आरोपी भागने लगे। पुलिस ने दो आरोपियों को पकड़ लिया है। जबकि दो आरोपी मौके से भाग निकलने में सफल हो गए हैं। पकड़े गए आरोपियों में अब्दुल रहमान निवासी सिकरोढ़ा व इकरार निवासी गोकुलवाला थाना बुग्गावाला है। जबकि फरार होने वाले आरोपियों के नाम छोटा व इमरान निवासी हलजौरा थाना भगवानपुर है।

गढ़वाल विवि में आज से शुरू होगा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा भारतीय भूगोलवेत्ताओं के संस्थान (आईआईजी) का 46वां वार्षिक अधिवेशन एवं डायनेमिक अर्थ, फैजाइल एनवायरनमेंट एंड पाथ टूक्लाइमट रिजलिएट सोसायटी विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ शनिवार को होगा। सम्मेलन में देश-विदेश के भूगोलवेत्ता एवं शोधार्थी अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। शुक्रवार को स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सम्मेलन के संयोजक प्रो. मोहन सिंह पंवार ने कहा कि गढ़वाल विवि के चौरास परिसर स्थित स्वामी मनमंथन प्रेक्षागृह में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शनिवार को शुभारंभ होगा। बताया कि सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर बतौर अतिथि कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में हेस्को देहरादून के संस्थापक पर्यावरणविद् एवं पद्मश्री डा. अनिल प्रकाश जोशी शिरकत करेंगे। बताया कि सम्मेलन में भू-विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर संवाद किया जायेगा। सम्मेलन में पृथ्वी प्रणाली की गतिशीलता, पारिस्थितिक अस्थिरता, जलवायु न्याय और सहनशील समाज निर्माण की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही उत्तराखंड की बिगड़ती भौगोलिक पारिस्थितिकी पर भी विचार विमर्श किया जायेगा। सम्मेलन में भारत वर्ष के विभिन्न विश्वविद्यालय से भूगोल के वरिष्ठ प्रोफेसरों द्वारा अलग-अलग विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किए जायेंगे, जिससे सम्मेलन की वैश्विक अकादमिक महत्ता और बढ़ेगी। प्रो. पंवार ने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में 30 से अधिक तकनीकी सत्र आयोजित किए जायेंगे, जिनमें डायनेमिक अर्थ सिस्टम्स-हिमालयी हिमनद परिवर्तन, मरुस्थलीकरण, सूखा और बाढ़ अध्ययन फैजाइल एनवायरनमेंट पर्वतीय पारिस्थितिकियाँ, चरम जलवायु घटनाएँ और पर्यावरणीय संकट जियो-इन्फॉर्मेटिक्स एवं मशीन लर्निंग बिग डेटा एनालिटिक्स और रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग जलवायु परिवर्तन एवं न्याय वैश्विक नीतियाँ, समानता और सतत शासन शहरी एवं परिवहन भूगोल स्मार्ट सिटीज सहित अन्य विषयों पर शोधार्थी शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। बताया कि 27 अक्तूबर को सम्मेलन के समापन सत्र में शैक्षणिक अनुशंसाएं और भविष्य की कार्य योजनाएं प्रस्तुत की जाएंगी,

मछली के साथ ही ट्राउट बीज का उत्पादन कर आर्थिकी मजबूत कर रहे काश्तकार

चमोली में 1135 काश्तकार योजनाओं का लाभ लेकर कर रहे मत्स्य पालन

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चमोली जिले में मत्स्य पालन काश्तकारों की आय का अच्छा साधन बनने लगा है। जिले में 1135 काश्तकार मत्स्य पालन कर अपनी आर्थिकी को मजबूत कर रहे है। जिले में जहां बड़ी संख्या में ट्राउट मछली का उत्पादन किया जा रहा है। मत्स्य पालन विभाग की ओर से जनपद में केन्द्र पोषित विभागीय योजनाओं के तहत ट्राउट रेसवेज निर्माण, फिश कियोस्क, ट्राउट हैचरी, रेफ्रिजरेटेड वैन, मोटर साइकिल विद आइस बाक्स, फीड मिल जैसी योजनाओं का काश्तकारों को लाभ दिया जा रहा है। जबकि राज्य योजना के अन्तर्गत कलस्टर आधारित तालाब निर्माण, मत्स्य सहेली, सोलर पॉवर स्पोर्ट सिस्टम, मत्स्य आहार, एवं प्रथम बार बीमा जैसी योजना से पात्र लाभार्थियों को आच्छादित किया जा रहा है।

सहायक निदेशक मत्स्य रितेश कुमार चंद ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर विभाग द्वारा जनपद में राज्य योजना के तहत मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं केन्द्र पोषित योजनाओं का प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत संचालन किया जा रहा है। इसके साथ ही जिला योजना के माध्यम से भी काश्तकारों को मत्स्य पालन के व्यवसाय से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चमोली जनपद की आबोहवा ट्राउट मत्स्य का पालन के लिए अनुकूल है।

जिस कारण अधिकतम योजनाओं का संचालन ट्राउट मत्स्य पालन हेतु किया जा रहा है। कहा कि वर्तमान में जनपद के 350 से अधिक रेसवेज में ट्राउड मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। जिससे लगभग 70 टन प्रतिवर्ष का उत्पादन किया जा रहा है। साथ ही 600 से अधिक कलस्टर आधारित तालाबों में कामन, एवं ग्रास के साथ ही पंगास मछलियों का उत्पादन किया जा रहा है। जनपद चमोली में दो मत्स्य पालन को लेकर काश्तकारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विभाग की ओर से 2 तथा 3 काश्तकारों की ओर से ट्राउट हैचरी से मत्स्य बीज उत्पादन का भी कार्य किया जा रहा है। बीते वर्ष जनपद से करीब 4 लाख मत्स्य बीज का विपणन कर 8 लाख से अधिक की आय अर्जित कर चुके हैं। जिसकी आपूर्ति जनपद के साथ ही अन्य जनपदों को भी की जा रही है। मत्स्य पालकों को आहार उपलब्ध करवाने के लिए विभागीय सहयोग के साथ एक फीड मील की भी स्थापना की गयी है। जिसके माध्यम से वर्तमान तक 40 टन मत्स्य आहार का विपणन कर संचालकों की ओर से 10 लाख से अधिक की शुद्ध आय अर्जित की जा चुकी है। बताया कि केंद्र सरकार की ओर से सीमांत क्षेत्र में तैनात आईटीबीपी और सेना को मछली आपूर्ति कर काश्तकार 27 लाख से अधिक की आय अर्जित कर चुके हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com